अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुल्तानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 218 लखनऊ, सोमवार, 23 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

भारत-ब्राजील के बीच डाक क्षेत्र में समझौता

नई दिल्ली। भारत और ब्राजील ने डाक क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। संचार मंत्रालय ने इसे दोनों देशों के बीच डाक सेवाओं, डिजिटल परिवर्तन और समावेशी सेवा वितरण में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और ब्राजील के संचार मंत्री फ्रेडरिको डी सिकेरा फिल्हो ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और दस्तावेजों का आदान-प्रदान किया।

मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक दूरदराज के इलाके में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में पाकिस्तानी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े दो आतंकवादी मारे गए। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने कहा कि चटरू बेल्ट में पासरकुट के सामान्य क्षेत्र में 'ट्रैशी-आई' ऑपरेशन के दौरान दोनों आतंकवादी मारे गए और उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया, जिसमें दो एके -47 राइफलें शामिल थीं। सेना ने कहा कि खुफिया सूचनाओं के आधार पर काउंटर इंटेलिजेंस फोर्स (सीआईएफ) डेल्टा के जवानों ने पुलिस और सीआरपीएफ के साथ करीबी समन्वय में आज सुबह लगभग 11 बजे चुनौतीपूर्ण इलाके में आतंकवादियों को घेर लिया। सेना ने कहा कि सामरिक सटीकता, सहज तालमेल और दृढ़ आक्रामकता का प्रदर्शन करते हुए सैनिक मुठभेड़ स्थल पर हावी हो गए, जिसमें दो आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

मुख्यमंत्री योगी आज सिंगापुर-जापान के लिए होंगे रवाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सिंगापुर और जापान की चार दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। वे विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। 2017 की म्यांमार यात्रा के बाद यह मुख्यमंत्री योगी का पहली विदेश यात्रा होगी। इसे प्रदेश में निवेश कूटनीति और औद्योगिक विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 23-24 फरवरी को सिंगापुर और 25-26 फरवरी को जापान यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री 33 ग्लोबल कंपनियों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बैठकों और राउंड टेबल मीटिंग के जरिए निवेशकों से सीधे रुबरु होकर प्रदेश के औद्योगिक रोडमैप, इज डूइंग, कानून व्यवस्था और व्यापार की संभावनाओं पर विस्तार से बातचीत करेंगे।

कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है : मोदी

प्रधानमंत्री ने मेरठ में मेट्रो रेल और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर का किया उद्घाटन

- कांग्रेस ने एआई समिट को अपनी नंगी और गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया: नरेन्द्र मोदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मेरठ/लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस जहरीली और देश विरोधी राजनीति कर रही है। कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है। नई दिल्ली में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कपड़े उतार कर प्रदर्शन करने की घटना को शर्मनाक बताते हुए मोदी ने कहा कि मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी।

रविवार को मेरठ में मेट्रो रेल और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं। उन्होंने दिल्ली में आयोजित एआई समिट की चर्चा करते हुए कहा कि दुनिया के इस सबसे बड़े समिट में 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष और लाखों लोग आए। प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में मेरठ के लोगों से पूछा कि एआई समिट से गर्व हुआ है या नहीं, सीना चौड़ा हुआ है, युवाओं का भाग्य बदलने के लिए यह आयोजन हुआ है। इस पर सभा में मोदी -मोदी के नारे लगने लगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आयोजन से पूरा देश गर्व से भर गया लेकिन कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी नंगी और गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतार कर पहुंच गए। मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने नेताओं ने समिट में जो कुछ किया वह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कितनी दिवालिया और कितनी दरिद्र हो गई है।

कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांव में शादी होती है तो पूरा गांव जुटा जाता है लेकिन कांग्रेस को अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को मोदी से नफरत है, मेरी कब्र खोदना चाहती है, मेरी मां को भी गाली देने में परहेज नहीं करती, कांग्रेस को भाजपा व एनडीए से विरोध है, लेकिन कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि एआई समिट भाजपा का आयोजन नहीं था और न ही वहां भाजपा का नेता था।

यह देश के लोगों का कार्यक्रम था, लेकिन कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तोड़ी और अब देशभर में कांग्रेस की थू थू हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके बावजूद कांग्रेस के नेता बेशर्मी के साथ देश का अपमान करने वालों की जय जयकार कर रहे हैं और मीडिया इस घटनाक्रम में पूरे विपक्ष का नाम लेता है जबकि कांग्रेस के नंगेपन में टीएमसी, बीएसपी नहीं थे सिर्फ कांग्रेस थी। यह कांग्रेस की यह हरकतें लगातार हो रही हैं। लोकसभा नहीं चलने दे रहे हैं और माताओं- बहनों को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करने भेजते हैं। अगर प्रधानमंत्री बनना है तो लोगों का दिल जीतिए। प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करके नहीं बन पाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में लोगों से सीधा संवाद करते हुए कहा कि वर्ष 2014, 2019 और 2024 में मेरठ से ही चुनावी सभाओं की शुरुआत की थी और इस भूमि ने देश के विकास में अहम योगदान किया है।

प्रदेश में योगी सरकार आने से पहले यहां की कानून व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि यहां शाम होते ही यहां पूरे रूट में सन्नाटा छा जाता था। डर और भय का माहौल होता था लेकिन अब एक तरफ कानून व्यवस्था भी सुधरी है और दूसरी तरफ लोगों को सुविधापूर्ण और सुरक्षित यात्रा का भी माध्यम मिला है।

नमो भारत रैपिड रेल के संचालन से अधिकतर स्टाफ महिलाएं और यह नारीशक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि सराय कालेखां, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ इन स्टेशनों पर भारतीय रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है। देश में ये पहली बार हो रहा है जब एक ही स्टेशन, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी। यानी, एक ही प्लेटफॉर्म से शहर के भीतर भी यात्रा कर पाएंगे औरउसी स्टेशन से सीधे दिल्ली भी आ-जा सकते हैं।

कांग्रेस जहरीली राजनीति छोड़े

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के शासन काल में पूरे देश में केवल पांच शहरों में मेट्रो रेल थी, लेकिन अब दो दर्जन से अधिक शहरों में यह सुविधा है। आज भारत मेट्रो के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस में यह संभव ही नहीं था क्योंकि तब इंफ्रास्ट्रक्चर की परियोजनाएं घोटालों में ही गुम हो जाती थी।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने किया मेट्रो का सफर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने क्रांति की धरा मेरठ पर रविवार को सबसे पहले शताब्दी नगर हेलीपैड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग मेरठ साउथ से शताब्दी नगर तक मेट्रो में सफर भी किया। प्रधानमंत्री ने मेट्रो में दिव्यांग बच्चों, स्कूली बच्चों, मेडिकल छात्रों व अन्य लोगों से संवाद भी किया।

पीएम ने राष्ट्र को समर्पित कीं 12,930 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ की धरा से 12,930 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित कीं। प्रधानमंत्री ने दिल्ली में सराय काले खां से न्यू अशोक नगर तक नमो भारत खंड (5 किमी.), मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक नमो भारत खंड (21 किमी.) के उद्घाटन के साथ दिल्ली-मेरठ नमो भारत का संपूर्ण कॉरिडोर राष्ट्र को समर्पित किया। साथ ही मेरठवासियों को मेट्रो (मेरठ साउथ से मोदीपुरम तक 21 किमी) की सौगात दी। इसके पहले प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मोदी नए और आधुनिक भारत के निर्माता: योगी आदित्यनाथ

- सीएम योगी ने कहा, एआई समिट में वैश्विक नेताओं ने भी प्रधानमंत्री मोदी के विजन की जमकर सराहना की
- विकास कार्यों की जितनी समीक्षा पीएम करते हैं, उतना कोई मंत्री भी अपने विभागीय कार्यों की नहीं करता: मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए व आधुनिक भारत का शिल्पी व निमार्ता बताया है। उन्होंने कहा कि पीएम के 'विकसित भारत' विजन की वैश्विक नेता भी जमकर सराहना कर रहे हैं, जिसमें अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ शासकीय योजनाओं का लाभ गरीब-वंचित, अन्नदाता किसान, महिला व युवा समेत समाज के हर तबके को मिलना सुनिश्चित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी की कार्यशैली से प्रेरणा लेते हुए कहा कि पूरे देश के विकास कार्यों की जितनी समीक्षा प्रधानमंत्री जी करते हैं, उतनी तो कोई मंत्री अपने विभागीय कार्यों की भी नहीं करता। सीएम योगी रविवार को मेरठ के मोहिउद्दीनपुर में प्रधानमंत्री द्वारा दिल्ली-मेरठ नमो भारत रैपिड रेल संपूर्ण कॉरिडोर व मेरठ मेट्रो का लोकार्पण किए जाने के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा होली से ठीक पहले नमो भारत ट्रेन के साथ मेरठ मेट्रो का भी उपहार दिया जा रहा है। यह उपहार विकसित भारत की उस नींव को सुदृढ़ करने का नया माध्यम है, जिसमें अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से भारत की ताकत दिखती है। पहले मेरठ से दिल्ली की दूरी एक चुनौती होती थी। इसे तय करने में चार से पांच घंटे तक मशक्कत करनी पड़ती थी। दिल्ली दूर है, यह मानते हुए लोग थक-हार कर बैठ जाते थे और सोचते थे कि जाम में फंसना पड़ेगा।

स्वदेशी से हो रहा सशक्त भारत का निर्माण: मोहन भागवत

- टैरिफ का भय दिखाने से डरने की आवश्यकता नहीं

एजेंसी

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा कि किसी टैरिफ का भय दिखाने से डरने की आवश्यकता नहीं है बल्कि स्वदेशी को जीवन में अपनाकर ही सशक्त भारत का निर्माण होगा।

डॉ भागवत रविवार को संघ शताब्दी वर्ष पर गढ़ी कैंट हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र के प्रेक्षागृह में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सरसंघचालक डॉ भागवत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर अब तक की तमाम गतिविधियों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने संघ के उद्देश्य, कार्य और भविष्य की गतिविधियों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि संघ क्या है और क्या करता है, इसकी सही जानकारी समाज के बड़े वर्ग को नहीं है। उन्होंने कहा कि संघ के बारे में जो धारणा बनाई जाती हैं, वह संघ नहीं है। संघ के वास्तविक कार्य को जानने के लिए संघ को उसके नजदीक जाने पर ही जाना जा सकता है। डॉ भागवत ने कहा कि संघ कोई राजनीति दल भी नहीं है। इतना जरूर है कि संघ कार्यकर्ता राजनीतिक दलों में जाते हैं लेकिन जाने से पहले उन्हें संघ के सारे दायित्वों का त्याग करना पड़ता है।

डिजिटल कौशल से जुड़ने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू

एजेंसी

- जयंत चौधरी ने किया शुभारंभ, अमिताभ बच्चन होंगे चेहरा

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने देश में डिजिटल कौशल को बढ़ावा देने के लिए 'बढ़ना है तो यहां जुड़ना है' नाम से राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान शुरू किया। इस अभियान का शुभारंभ इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान किया गया। इसका उद्देश्य स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से युवाओं और नागरिकों को डिजिटल कौशल, रोजगार और आजीवन सीखने के अवसरों से जोड़ना है।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि स्किल इंडिया डिजिटल हब देश का एकीकृत डिजिटल कौशल मंच है। इस पर अब तक 1.5 करोड़ से अधिक अभ्यर्थी पंजीकरण करा चुके हैं। यह मंच नागरिकों को कौशल बढ़ाने, नए कौशल सीखने और रोजगार के अवसरों से जुड़ने की सुविधा देगा। इसके लिए बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन को जोड़ा गया है।

इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा कि भारत की डिजिटल क्षमता को इंडिया स्टैक और स्किल इंडिया डिजिटल हब जैसे मंचों के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहचान मिली है। ये मंच बड़े स्तर पर कौशल विकास और सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने में सहायक बने हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान हर भारतीय को इस डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने और अपने विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मंत्रालय के अनुसार स्किल इंडिया डिजिटल हब मोबाइल आधारित और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सक्षम मंच है। इसमें विभिन्न सरकारी कौशल योजनाओं को एकीकृत किया गया है। यह मंच उद्योग आधारित पाठ्यक्रम उपलब्ध कराता है। साथ ही अभ्यर्थियों को उनकी रुचि और करियर के अनुसार व्यक्तिगत सुझाव देता है।

इस मंच पर डिजिटल प्रमाणपत्र, क्यूआर कोड आधारित डिजिटल जीवनवृत्त, आधार आधारित ई-केवाईसी पंजीकरण और मोबाइल ओटीपी के माध्यम से लॉगिन की सुविधा उपलब्ध है। यह मंच 21 से अधिक भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है। इससे देश के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को समान अवसर मिल रहे हैं। यह मंच विद्यार्थियों, स्नातकों, नौकरीपेशा लोगों और उद्यमियों सभी के लिए उपयोगी है।

अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रविवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद की महत्वपूर्ण बैठक परिषद के प्रदेश कार्यालय होमावजीर बिल्डिंग, लालबाग में आयोजित हुई बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पास हुए। बैठक की अध्यक्षता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल सिंह पूर्व डीजीपी ने किया परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष गंगा सिंह चौहान ने संगठन विस्तार पर बल देते हुए कहा कि हर जिला अध्यक्ष को यह जानकारी देनी होगी कि पिछली बैठक में हमारे यहां सदस्यों की संख्या यह थी और इस बैठक में सदस्यों की संख्या निम्न है। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सूर्य बली सिंह ने संगठन का विस्तार करते हुए कुछ साथियों को नई जिम्मेदारी दिया और उपस्थित लोगों से अपील की जल्द ही सभी जनपदों में संगठन को खड़ा कर दिया जाए और परिषद अपना विस्तार करके चिकित्सा प्रकोष्ठ का भी गठन किया जिससे परिषद के अपने उद्देश्यों को ब्लॉक स्तर तक पहुंचने का काम किया जाए।

परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल सिंह पूर्व डीजीपी ने युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि जो युवा प्रतिभाशाली हैं उनको चिन्हित करके सम्मानित भी किया जाना चाहिए। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रणजीत सिंह, राष्ट्रीय महासचिव ए के सिंह राठौड़ , रमेश सिंह, उग्रसेन सिंह, राष्ट्रीय सचिव इंजी आर पी सिंह, राष्ट्रीय ट्रस्टी योगेश प्रताप सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष भगवती सिंह, राजेश सिंह, अम्बरीष सिंह, डॉ प्रदीप कुमार सिंह, डॉ राणा प्रताप सिंह, डॉ आर पी सिंह, प्रदेश महासचिव पी के सिंह, सूर्यभान सिंह,प्रदेश सचिव शिशुपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह, देवेंद्र सिंह,महिला प्रदेश उपाध्यक्ष कोमल सिंह, महिला जिला अध्यक्ष लखनऊ को सीमा सिंह, लखनऊ शहर महासचिव शिशिर सिंह, जिला अध्यक्ष गोंडा दिलीप सिंह, अयोध्या अनिल सिंह, हरदोई ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, सीतापुर संजय सिंह, जिला महासचिव सीतापुर अजय पाल सिंह, युवा जिला अध्यक्ष अमेठी चंद्रजीत सिंह, सहित कई प्रमुख साथी उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल व तमिलनाडु से लश्कर के 8 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नाकाम कर दिया है। करीब 9 दिन गुपचुप तरीके से चले ऑपरेशन के बाद स्पेशल सेल ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बड़े मॉड्यूल का खुलासा करने का दावा किया है। टीम ने कोलकाता और तमिलनाडु में छापेमारी कर 7 बांग्लादेशी समेत कुल 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों को लेकर पुलिस टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई है जिसके सोमवार को पहुंचने की उम्मीद है।

दावा किया गया है कि बांग्लादेश में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के निर्देश पर यह मॉड्यूल भारत में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहा था। इसके लिए कई राज्यों में भीड़भाड़ वाले स्थानों की रेकी की गई थी। आरोपितों के पास से बरामद मोबाइल फोन में इसके वीडियो मिले हैं। समय रहते मॉड्यूल के खुलासे से बड़ा आतंकी हमला टल गया है।

पकड़े गए आरोपितों की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी उमर फारूक, बांग्लादेशी नागरिक रबि-उल-इस्लाम, मो. लिटन, मो. मिजानुर रहमान, मो. उज्जाल, मो. जहीदुल इस्लाम, उमर और सैफायत होसेन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से 12 मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। इनसे पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि मॉड्यूल का खुलासा 7 फरवरी को दिल्ली में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ।

वैश्विक बौद्ध आस्था का केंद्र बना यूपी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हुए बौद्ध आस्था और विरासत के केंद्र के रूप में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्ष 2025 में प्रदेश ने बौद्ध सर्किट के जरिए दुनिया भर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करते हुए लगभग 82 लाख आगंतुकों का स्वागत किया, जिनमें 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। विशेष रूप से कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरकर सामने आया, जहां विदेशी श्रद्धालुओं की सर्वाधिक आमद दर्ज की गई।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि 'उत्तर प्रदेश आज वैश्विक बौद्ध आस्था का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के बौद्ध धर्मावलंबी अपनी 'बोधि यात्रा' की शुरुआत उत्तर प्रदेश से

● **श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित कर रहा कुशीनगर**

करने को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे राज्य में इनबाउंड टूरिज्म में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा रही है। सारनाथ, कपिलवस्तु, श्रावस्ती, संकिसा, कौशांबी और कुशीनगर जैसे भगवान बुद्ध के जीवन और संदेश से जुड़े पवित्र स्थलों के भ्रमण को श्रद्धालु जीवन की पवित्र यात्रा मानते हैं।' उन्होने बताया कि 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का पर्यटन क्षेत्र निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के छह पवित्र बौद्ध स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में वर्ष दर वर्ष उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में इन स्थलों पर लगभग 82 लाख पर्यटकों

का आगमन हुआ, जिनमें 4.40 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2024 में कुल 61 लाख से अधिक पर्यटक राज्य के बौद्ध स्थलों पर पहुंचे, जिनमें 3.50 लाख से अधिक विदेशी आगंतुक थे। वहीं वर्ष 2023 में करीब 47 लाख पर्यटकों ने प्रदेश के बौद्ध सर्किट का भ्रमण किया, जिनमें 2.50 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2022 में 22.40 लाख से अधिक पर्यटक बौद्ध स्थलों पर आए, जिनमें 48 हजार से अधिक विदेशी पर्यटक थे। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश का बौद्ध सर्किट वैश्विक आस्था और आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा इनबाउंड पर्यटन को गति देने के लिए अपनाई गई बहुआयामी रणनीति अब ठोस परिणाम देने लगी है। इसी प्रयास का असर है कि प्रदेश के बौद्ध सर्किट, विशेषकर भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर, विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बनकर उभरी है। वर्ष 2025 में 2.90 लाख से अधिक विदेशी पर्यटकों का आगमन इस ऐतिहासिक स्थल पर दर्ज किया गया, जो बीते वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। साल 2024 में 2.51 लाख, 2023 में 2.14 लाख तथा 2022 में 41 हजार से अधिक विदेशी पर्यटकों ने कुशीनगर की पवित्र धरती पर पहुंचकर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। सिंह ने बताया कि केंद्रीय बजट 2026-27 में भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ को देश के 15 सबसे प्रमुख पुरातात्विक स्थलों में शामिल कर एक 'एक्सपेरिमेंटल कल्चर डेस्टिनेशन' के रूप में विकसित करने का ऐलान किया गया है। इसी क्रम में अगस्त माह में लगभग 200 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश आएगा। उन्होंने बताया, कि सारनाथ और कुशीनगर में जापानी बौद्ध संस्थानों का होना भारत-जापान के बीच दशकों से चले आ रहे आध्यात्मिक संबंधों का प्रमाण है। इसी प्रकार बौद्ध धर्म मानने वाले अन्य देशों- श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, कंबोडिया, लाओस पीडीआर, वियतनाम एवं दक्षिण कोरिया जैसे देशों से प्रति वर्ष बड़ी संख्या में बौद्ध पर्यटक उत्तर प्रदेश आते हैं।

प्रदेश का पर्यटन विभाग इन देशों के नागरिकों, टूर एंड ट्रैवेल प्रतिनिधियों एवं उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञों के लिए नियमित रूप से फैम ट्रिप आयोजित करती है। साथ ही, वैश्विक आयोजनों का हिस्सा बनकर अंतरराष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन मानचित्र पर उत्तर प्रदेश की सशक्त उपस्थिति सुनिश्चित कर रहा है।

नगर विकास मंत्री ने देखी काशी की सफाई व्यवस्था

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने प्रातः काल काशी के शिवपुर, सुषमा नगर कॉलोनी, गिलट बाजार, लक्ष्मणपुर एवं रघुवंशी नगर में कई किलोमीटर तक पैदल चलकर प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था एवं डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कार्य का निरीक्षण किया। श्री शर्मा ने गलियों और मुख्य मार्गों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक वार्ड में निर्धारित समय पर कचरा उठान किया जाए तथा कहीं भी कूड़े का ढेर दिखाई न दे।स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर सफाई व्यवस्था के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कूड़ा इधर-उधर न फेंकें और डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था का पूर्ण सहयोग करें। स्वच्छ शहर का निर्माण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि जनभागीदारी से ही संभव है। श्री शर्मा ने सफाई मित्रों से मुलाकात कर उनके कार्य की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिगरा क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सड़क कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता एवं समय-सीमा की समीक्षा करते हुए कुछ स्थानों पर शेष रह गए इंटरलॉकिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य के दौरान आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सरकार का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इसके लिए निरंतर निरीक्षण एवं जवाबदेही आवश्यक है। श्री शर्मा ने नगर निगम कार्यालय के समीप वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

20 साल पुराना मामला निकालकर शंकराचार्य को अपमानित कर रही सरकारः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 20 साल पुराने मामले को निकालकर शंकराचार्य को अपमानित करने की कोशिश कर रही है। सपा कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने कहा कि विचारों में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन इस स्तर तक जाकर आरोप लगवाना उचित नहीं है। उन्होंने कहा अगर शिकायतकर्ता किसी अन्य संत के शिष्य हैं, तो मुझसे गलती हुई कि मैंने पूर्व में दर्ज एक मामला वापस लिया था। मुझे उसे वापस नहीं लेना चाहिए था। दरअसल, यूपी पुलिस ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती, उनके शिष्य स्वामी मुकुंदानंद ब्रह्मचारी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ बाल यौन शोषण के आरोपों में एफआईआर दर्ज की है। यह कार्रवाई न्यायालय के निर्देश के बाद की गई है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि यह पहली बार हुआ जब किसी शंकराचार्य को माघ मेले में गंगा स्नान से रोका गया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य ठंड के दौरान कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे और सरकार ने उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया। यह पूरा घटनाक्रम राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित प्रतीत होता है और सरकार अब जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर चुनाव से पहले प्रदेश का माहौल खराब करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में मंदिर में मांस फेंकने जैसी घटनाओं की जांच में भाजपा कार्यकर्ताओं की संलिप्तता सामने आई थी और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। अखिलेश यादव ने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी और एडिटेड वीडियो प्रसारित कर समाज में तनाव फैलाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनकी सरकार ने गोमती और हिंडन नदियों की सफाई के लिए योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन वर्तमान सरकार विकास कार्यों को आगे नहीं बढ़ा रही। उन्होंने अंडरग्राउंड पाइपलाइन परियोजनाओं को ल्लभ्रष्टाचार की पाइपलाइनङ्क करार देते हुए कहा कि बुंदेलखंड से लखनऊ तक अनियमितताएं हो रही हैं। इसकी लागत दोगुनी हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित जापान दौरे पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा, ल्लजापान जा रहे हैं, लेकिन क्योटो नहीं जा रहेङ्क अखिलेश यादव ने महाभारत के पात्र कर्ण का उल्लेख करते हुए सामाजिक न्याय के मुद्दे पर भी टिप्पणी की और सरकार की नीतियों को लेकर आलोचना की। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जनता ने वर्तमान सरकार को मन से अस्वीकार कर दिया है और केवल मतदान का इंतजार है।

राजधानी में संजू बाबा बोले, ओए मामू, बात सुन,पौधा लगाने का, पानी बचाने का

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को मुंबई से संजू बाबा (संजय दत्त) पहुंचे। उन्होंने लखनऊ के युवाओं से कहा ओए मामू, बात सुन। जितने भी मामू यहां खड़े हैं न? सब बात सुनने का। जिंदगी में दो काम करने का। एक-पौधा लगाने का, दूसरा-पानी बचाने का। अगर ये नहीं किया तो.. नहीं किया तो खुद की वाट लगाने का। एक्टर संजय दत्त ने सरोजनी नगर विधायक डॉक्टर राजेश्वर सिंह के बुलावे पर लखनऊ पहुंचे हैं। यहां उन्होंने पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित किया। आशियान के बंगला बाजार में इसके लिए नेट जीरो कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम स्थल पहुंचने के लिए संजय दत्त ने 1 किलोमीटर का रोड शो किया। रोड के शो के लिए संजय दत्त जैसे ही खुली जीप पर सवार हुए तो फैंस बेकाबू हो गए। उन्हें संभालने के लिए पुलिस का पसीना छूट गया। पूरे रास्ते संजय दत्त पर बारिश करते रहे। सड़क किनारे घरों की छतों से भी फैंस ने गुलाब बरसाए। संजय दत्त ने हाथ हिलाकर सबका अभिवादन स्वीकार किया। संजय दत्त ने 21 फरवरी को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह के साथ की तस्वीर शेयर की थी। उसके साथ लिखा था- सरोजनीनगर में राजेश्वर भैया के साथ एक विशेष पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के लिए अपने पसंदीदा शहर लखनऊ में आकर मुझे बहुत खुशी होगी। लखनऊ और यहां के अद्भुत लोगों ने हमेशा मुझे अपार प्रेम और स्नेह दिया है।

राजधानी में जुटे पशुप्रेमी, 10 नामी एनिमल एक्टिविस्ट भी पहुंचे,पिंजरा तोड़ रैली निकाली

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज पशुओं के समर्थन में 'पिंजरा तोड़' रैली का आयोजन किया गया। रैली 1090 चौराहे से शुरू होकर लोहिया पार्क तक निकाली गई। स्ट्रीट डॉग के लिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरोध में लखनऊ में पशुप्रेमी जुटे हैं। इनके साथ देश के 10 नामी एक्टिविस्ट भी पहुंचे हैं। रैली के जरिए कार्यकर्ता इस आदेश पर संवैधानिक और विधिक आधारों पर पुनर्विचार की मांग उठा रहे हैं। रैली में हाथों में स्लोगन और कॉमेंट लिखी तख्तियां लेकर शामिल हुए। कई के टीशर्ट पर लिखा था- जीवों पर दया करना ही तीर्थ और पूजा करना है। रैली में 1000 लोग शामिल थे। रैली में पशु-अधिकार कार्यकर्ता अंबिका शुक्ला, सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ और नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित गौरी मौलेखी, तेलंगाना में पशु-मृत्यु मामलों पर सक्रिय संक्षय चब्बर, वरिष्ठ अधिवक्ता पर्सिबल बिलिमोरिया, सामाजिक कार्यकर्ता वर्षा वर्मा, ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ता पायल सिंह, उद्यमी और वक्ता गौरव प्रकाश, पैरालंपियन शटलर अबू हुबैदा, 'गाइड समाज कल्याण संस्थान' की संस्थापक डॉ. इंदु सुभाष, शिक्षाविद डॉ. मल्लिका सक्सेना, रक्तदान अभियानों से जुड़े सचिन श्रीवास्तव, नई रोशनी की संस्थापक सोनिया सिंह और मानवाधिकार विशेषज्ञ रेखा भूषण भी शामिल हुए। मेनका गांधी की बहन अंबिका शुक्ला ने बताया कि कोर्ट को आदेश वापस लेना चाहिए। हिंदुस्तान में हम ठीक से अनाथालय, विधवा आश्रम नहीं चला सकते हैं।

मानदेय, नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा को लेकर सड़क पर उतरेंगी आशा कार्यकर्ता

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की जमीनी रीढ़ मानी जाने वाली आशा और आशा संगिनी कार्यकर्ताओं के सवाल पर अब संघर्ष ने राष्ट्रीय स्वर ले लिया है। भारतीय मजदूर संघ से जुड़े आशा कर्मचारी महासंघ एवं आशा संगिनी कर्मचारी संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता 25 फरवरी को पूरे देश में 'विरोध दिवस' मनाने का ऐलान किया है। इस दिन सभी जिला मुख्यालयों पर धरना, प्रदर्शन, रैलियां और गेट मीटिंग आयोजित कर केंद्र और राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश दिया जाएगा कि अब उपेक्षा स्वीकार नहीं की जाएगी।

आशा संगिनी कर्मचारी संगठन उत्तर प्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष मीरा सिंह ने कहा कि दो दशकों से अधिक समय से मातृ-शिशु स्वास्थ्य,टीकाकरण, जनजागरूकता और आपात सेवाओं में 24 घंटे

● **मानदेय, नियमितीकरण और सामाजिक सुरक्षा को लेकर 25 फरवरी को होगा देशव्यापी प्रदर्शन : मीरा सिंह**

सक्रिय रहने वाली लाखों कार्यकर्ताओं को अब भी 'योजना कार्यकर्ता' का दर्जा देकर न्यूनतम मानदेय पर काम कराया जा रहा है। जिम्मेदारियां लगातार बढ़ती गईं,लेकिन वेतन, सामाजिक सुरक्षा और सेवा शर्तों में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि आंदोलन के तहत देशभर में कार्यकर्ता काले बैज पहनकर विरोध दर्ज कराएंगी और जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय श्रम मंत्री तथा संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ज्ञापन सौंपेंगी। संगठन का कहना है कि यदि इस बार भी ठोस निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक व निर्णायक रूप दिया जाएगा।आशा और आशा संगिनी कार्यकर्ताओं की मांग है कि उन्हें राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और श्रम कानूनों को पूरी तरह लागू किया जाए। 2005 की आशा नियमावली में संशोधन कर सेवा शर्तें स्पष्ट व सुरक्षित की जाएं। भारतीय श्रम सम्मेलन (आईएलसी) को तत्काल बुलाकर त्रिपक्षीय तंत्र को सक्रिय किया जाए। ईएसआई और ईपीएफ के दायरे में शामिल कर सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। बोनस भुगतान अधिनियम, 1965 के तहत पात्रता प्रदान की जाए। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और 21 के अनुरूप नियमितीकरण और समान अधिकार दिए जाएं। आयु सीमा संबंधी प्रतिबंध हटाकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए।सम्मान, सुरक्षा और अधिकार की लड़ाई प्रदेश अध्यक्ष मीरा सिंह ने कहा कि यह केवल वेतन का मुद्दा नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की लड़ाई है। 25 फरवरी का 'विरोध दिवस' देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की बुनियाद को मजबूत करने की दिशा में एक राष्ट्रीय संदेश साबित होगा।

रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में वृहद रक्तदान शिविर 26 को

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● **महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी करेंगे शिविर का उद्घाटन**

लखनऊ। खालाबाजार स्थित रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र में बृहस्पतिवार 26 फरवरी 2026 को लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज की ओर से रक्त दान शिविर का आयोजन होना है। जिसको मार्ग दर्शन देने एवं संचालित करने के लिए किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) से विशेषज्ञों की टीम आएगी। शिविर में रक्तदान करने के लिए लगभग 60 लोगों ने अपना पंजीकरण कराया। घ्स्तोगी स्तोगी समाज के संरक्षक हरी जीवन रस्तोगी, समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी एवं समाज के महामंत्री प्रदीप रस्तोगी ने बताया कि शिविर का उद्घाटन अखिल भारतीय हरिशचन्द्र वंशीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रस्तोगी करेंगे। उन्होंने बताया कि रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के संक्षिप्त परिचय से कृपया अवगत हो लें। यह गत 17 वर्षों से समाज को निःशुल्क चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहा है। प्रतिदिन योग्य चिकित्सकों द्वारा लगभग 300 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें परामर्श दिया जाता है। एलोपैथिक दवाएं 3 दिन की एवं होम्योपैथिक दवाएं 7 दिन की निशुल्क दी जाती हैं। यहां एक ही छत के नीचे एलोपैथिक, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक, फीजियोथेरेपी, न्योरोपैथिक, नेत्र एवं दांत संबंधी चिकित्सा उपलब्ध है। यहां पर डिजिटल एक्स-रे एवं ईसीजी की सुविधा भी उपलब्ध है। यहां पर प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को विशाल निःशुल्क चिकित्सीय शिविर आयोजित होता है, जिसमें विशेषज्ञ डाक्टर मरीजों का परीक्षण कर परामर्श देते हैं। संस्था के संदर्भ में-लखनऊ हरिश्चंद्र वंशीय समाज दीर्घ काल से शैक्षणिक, स्वास्थ्य, सामाजिक, साहित्यिक एवं धार्मिक कार्यों में निष्ठा से योगदान दे रहा है। शैक्षणिक क्षेत्र में एक प्रोफ़ेशनल डिग्री कालेज सहित 10 विद्यालयों का संचालन कर रहा है। रस्तोगी स्किल डेवलपमेंट एवं स्टार्ट अप कमेटी छात्रों को छात्रवृत्ति देकर उनको आगे पढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में मूलचंद रस्तोगी औषधालय, हरिओम सेवा केंद्र एवं रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के माध्यम से समाज को उत्कृष्ट चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहा है तो धार्मिक कार्यों में, अनेक मंदिरों की स्थापना के साथ उनमें सेवाएं भी दे रहा है। लखनऊ शहर में एवं बाहर अनेक धर्मशालाओं का निर्माण कराया है। पूर्व में एक प्रख्यात सामाजिक संस्था मदन मोहन रस्तोगी हिन्दू एसोसिएशन ने पुस्तकालय, वाचनालय एवं जिम की सुविधा प्रदान की। नाट्य क्षेत्र में उत्कृष्ट सहभागिता के साथ साथ वालीबाल, ब्रिज, शतरंज एवं कैरम की प्रतियोगिताएं आयोजित कीं। हरिश्चंद्र दर्पण समिति, लखनऊ द्वारा सामाजिक त्रैमासिक पत्रिका रोहिताश्व पत्र का प्रकाशन गत 15 वर्षों से अबोध हो रहा है। यह पत्रिका सामाजिक चेतना को जागृत करने एवं समरसता स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील है। घ्समाज की महिला विंग सुहासिनी महिलाओं के साथ साथ समाज को विशेषज्ञ डाक्टरों से रुबरु कराने के अतिरिक्त साइबर क्राइम एवं डिजिटल अरेस्ट के विरुद्ध सजग कर रही है। घ्26 फरवरी को रक्तदान कर एक प्रमाण पत्र प्राप्त करें। आवश्यकता पड़ने पर केजीएमयू से उसके बदले निशुल्क रक्त प्राप्त किया जा सकता है।

गरीबों का मसीहा, मजलूमों का सहारा, लखनऊ के सोनू सूद बने नेता नदीम सिद्दीकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ की तहजीब में जहाँ बड़े-बड़े नवाबों और हुक्मरानों के किस्से मशहूर हैं, वहीं एक कहानी उन गलियों की भी है जहाँ पसीने की खुशबू और ईमानदारी की रोटी पलती है। इस कहानी के दो सबसे बड़े नायक हैं, एक जिन्होंने नींव रखी, अब्दुल रफीक खान, और दूसरे जिन्होंने इस नींव पर उम्मीदों का महल खड़ा किया, नेता नदीम सिद्दीकी। एक वक्त था जब लखनऊ के साप्ताहिक बाजारों पर संकट के बादल मँडराते थे। गरीब पटरी दुकानदारों को उजाड़ने की कोशिशें होती थीं। तब मरहूम अब्दुल रफीक खान एक ढाल बनकर खड़े हुए। उन्होंने अपना पूरा जीवन इन बेजुबानों की आवाज बनने में लगा दिया। उनके इंतकाल के बाद लगा कि शायद अब गरीबों का कोई पुरसाहाल न होगा, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था। जब अंधेरा गहराने लगा, तब अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी का उदय हुआ। आज लखनऊ के गलियारों में एक ही नाम गूँजता है, अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी, लोग उन्हें सिर्फ एक नेता या अध्यक्ष नहीं मानते, बल्कि उन्हें लखनऊ का सोनू सूद और गरीबों का मसीहा कहते हैं। और यह खिताब उन्हें खैरात में नहीं, बल्कि उनके बेमिसाल जज्बे और खून-पसीने की मेहनत से मिला है। आलमबाग बारा-बिरवा में लगने वाली मंगलवार बाजार जब उजड़ी गई, तो हजारों चूल्हे बुझने वाले थे। अगर उस वक्त नेता नदीम सिद्दीकी व उनकी टीम न होते, तो शायद आज हजारों परिवार फाकाकशी व भुखमरी के शिकार हो जाते। प्रशासन का दबाव और जगह की किल्लत, चुनौतियां पहाड़ जैसी थीं, लेकिन नेता नदीम का हौसला आसमान से ऊँचा था। उन्होंने अपनी रातों की नींद हराम कर दी ताकि कोई दुकानदार भूखा न सोए। तब साप्ताहिक बाजार दुकानदार कल्याण समिति के अधिकारी एवं सदस्य और नेता नदीम सिद्दीकी ने पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, बंगला बाजार आशियाना में जिस खूबसूरती और हक के साथ उन्होंने एक-एक दुकानदार को जमीन पर जगह दिलाई, वह किसी करिश्मे से कम नहीं है। आज वहां बाजार सिर्फ लग नहीं रही, बल्कि चहक रही है। हर दुकानदार की आंखों में जो चमक है, उसका श्रेय सिर्फ और सिर्फ अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी की नेकदिली को जाता है। अध्यक्ष नदीम साहब की सबसे बड़ी खूबी उनकी सादगी और सुलभता है। जहाँ बड़े पदों पर बैठे लोग गरीबों को पहचानते तक नहीं, वहीं नेता नदीम सिद्दीकी हर छोटे दुकानदार के दुख-दर्द में उसके कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहते हैं। चाहे किसी की बेटी की शादी हो, चाहे किसी बीमार का इलाज या फिर पुलिस-प्रशासन का कोई झमेला, वे एक फोन कॉल पर हाजिर हो जाते हैं। लोग कहते हैं कि अगर आज यह संगठन जिंदा है और बाजार लग रहे हैं, तो यह नेता नदीम सिद्दीकी की मसीहाई का ही असर है, वरना भूखे मरते इन गरीबों का कोई पुरसाहाल न होता। अब्दुल रफीक खान साहब ने जो बीज बोया था, उसे अध्यक्ष नदीम सिद्दीकी ने अपनी ममता और मेहनत से एक विशाल वटवृक्ष बना दिया है। आज लखनऊ के साप्ताहिक बाजार के हजारों दुकानदार हाथ उठाकर उनके लिए दुआएं करते हैं, नदीम सिद्दीकी सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों की आखिरी उम्मीद हैं, जिनके घर का दीया इन बाजारों की बदौलत जलता है। सच ही है, फरिश्ते आसमान से नहीं उतरते, वे नदीम सिद्दीकी जैसे इंसानों के रूप में हमारे बीच ही रहते हैं।

उप्र की आईटीआई में खेल संस्कृति को मिला बढ़ावा, लखनऊ में पहली राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता सम्पन्न

● **-चार हजार प्रशिक्षार्थियों की भागीदारी, योगी सरकार में आईटीआई खेलों को नई पहचान**

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन मे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का समापन केडी सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में रविवार को सम्पन्न हुई। समापन समारोह में विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम एवं निदेशक प्रशिक्षण अभिषेक सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किए।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और मंत्री कपिल देव अग्रवाल के नेतृत्व में आईटीआई प्रशिक्षार्थियों के लिए पहली बार इस प्रकार की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के साथ शारीरिक फिटनेस भी आवश्यक है, क्योंकि स्वस्थ प्रशिक्षार्थी ही उद्योगों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले वर्षों में निजी आईटीआई को भी शामिल करते हुए प्रतियोगिता को और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि बीते चार माह में जनपद और मंडल स्तर पर चयन प्रक्रिया के बाद लगभग चार हजार प्रशिक्षार्थियों ने 12 खेलों में भाग लिया, जिनमें से करीब 600 खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंचे। तीन दिवसीय इस आयोजन में छात्र-छात्राओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन प्रशिक्षार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और संस्थानों में उपस्थिति बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे तथा छात्राओं के लिए यह आत्मविश्वास बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ है। निदेशक प्रशिक्षण अभिषेक सिंह ने कहा कि मंत्री कपिल देव अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव के मार्गदर्शन में आयोजित यह पहली राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता भविष्य में प्रत्येक वर्ष और बेहतर स्वरूप में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता में विभागीय अधिकारियों, तकनीकी निदेशालय तथा राजकीय आईटीआई अलीगंज के नोडल अधिकारियों के योगदान की सराहना की। इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये डीके सिंह, निदेशक (प्राविधिक) एवं मयंक गंगवार, संयुक्त निदेशक, एससीवीटी तथा राज कुमार यादव, नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई अलीगंज का विशेष योगदान रहा। राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता समापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से अतिरिक्त निदेशक, मानपाल सिंह, राजेन्द्र प्रसाद अतिरिक्त निदेशक, योगेन्द्र सिंह, संयुक्त निदेशक, अनिल वर्मा, संयुक्त निदेशक, ए.के राणा, संयुक्त निदेशक बी.वी. सिंह, संयुक्त निदेशक, अरविन्द कुमार संयुक्त निदेशक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

क्या रोज़े की हालत में बार बार हिचकी आने से रोजा खराब नही होता

लखनऊ। रमजान हेल्पलाइन देश में इस किस्म की पहली हेल्पलाइन है। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के तहत दारूल निजामिया फरंगी महल में रोज़ेदारों की दीनी और शरअई रहनुमाई के लिए वर्ष 2001 में रमजान हेल्पलाइन कायम की गयी थी जिसकी मकबूलियत खुदा पाक के करम से आज भी बरकरार है। इस हेल्प लाइन से लोग फोन और म.उंपस के जरिए रोजा, नमाज, जकात ऐतिकाफ और दूसरे सवालात मुल्क और बाहर के मुल्कों से भी करते है।

जनपद को मिलेगी विकास की सौगातें, आज होगा शिलान्यास व लोकार्पण कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जनपद में विकास को नई गति देने के उद्देश्य से सोमवार को कई विकास की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ किया जाएगा। जिससे ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन विकास योजना का कल शिलान्यास किया जाएगा उनमें प्रमुख रूप से जननायक मदारी पासी द्वार रानी अवन्ती बाई लोधी द्वार शामिल है। इसके साथ ही पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव रामजी अंबेडकर संत गाडगे जी महाराज संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमाओं तथा मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम द्वार व पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वार का लोकार्पण भी किया जाएगा। कार्यक्रम के अवसर पर जिला पंचायत के विकास कार्यों की स्मारिका का भी विमोचन होगा। जिला पंचायत प्रशासन का कहना है कि इन योजनाओं के पूर्ण होने से आमजन को काफी लाभ मिलेगा तथा ग्रामीण आँचल में सामाजिक गतिविधियों के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है तथा गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय सीमा में सभी परियोजनाओं को पूर्ण कर जनता को त्वरित लाभ पहुंचाया जाए। कल आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर जनता में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से जनपद की तस्वीर बदलेगी तथा लंबे समय से लंबित मांगों को भी पूरा किया जा सकेगा!

प्रेमावती (अध्यक्ष, जिला पंचायत हरदोई)

एमएलसी ने सदन में उठाई रेलवे क्रॉसिंग को यथावत रखने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। राज्य विधान परिषद के सदन में उत्तर प्रदेश सरकार के बजट पर चर्चा के दौरान विधान परिषद सदस्य स्थानीय निकाय हरदोई व याचिका समिति के सभापति अशोक अग्रवाल ने राष्ट्रीय राजमार्ग 731 पर लखनऊ हरदोई के मध्य कछौना में स्थित रेलवे क्रॉसिंग को स्थाई रूप से यथावत बहाल रखने की मांग की।

उन्होंने सरकार को जन भावनाओं का हवाला देते हुए इसे बंद न करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि रेलवे क्रॉसिंग क्षेत्र वासियों के लिए आवागमन का मुख्य मार्ग है यदि इसे बंद कर दिया जाता है तो हजारों लोगों को लंबा चक्कर लगाकर आवागमन करना पड़ेगा जिससे समय और संसाधन दोनों की हानि होगी! उन्होंने बताया कि छात्र व्यापारी पुलिस किसान मरीज वृद्ध महिलाओं और दैनिक यात्रियों के लिए यह क्रॉसिंग अत्यंत आवश्यक है! सरकार से मांग करते हुए कहा कि जन भावनाओं का सम्मान करते हुए इसे यथावत रखा जाए क्रॉसिंग को बंद करना क्षेत्र के विकास में बाधा उत्पन्न करेगा क्योंकि ज्यादातर सरकारी संस्थाएं जैसे बैंक अस्पताल स्कूल रेलवे स्टेशन बस स्टॉप पुलिस स्टेशन विकास खंड पशु चिकित्सालय आदि अनेक संस्थाओं के लिए क्रॉसिंग पार कर ही जाना पड़ता है! क्षेत्र वासियों ने एमएलसी की मांग की सराहना करते हुए कहा कि यदि भविष्य में क्रॉसिंग यथावत रही तो विधायक की मांग क्षेत्र वासियों के लिए वरदान सिद्ध होगी उन्होंने यह भी कहा कि हमें सरकार पर भरोसा है कि यह जनप्रतिनिधि की बात अवश्य मानेगी।

विधान परिषद सदस्य अशोक अग्रवाल

जरूरतमंदों की आंखों में रोशनी बनी समाज सेविका की मुहिम

मरीजों को नि:शुल्क चश्मा वितरित करती समाज सेविका शालिनी सिंह — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ 130 मरीजों को नि:शुल्क मिले चश्मे व दवाइयां

साण्डी (हरदोई)। विकासखंड के बरनई गांव में कृष्णा कुमारी सेवा संस्थान की संचालिका शालिनी सिंह ने समाजसेवा के क्रम में मानवता की मिसाल पेश करते हुए रविवार को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण व चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया! शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण बुजुर्गों महिलाओं एवं बच्चों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई और लाभ उठाया! शिविर में लगभग 130 लोगों को नि:शुल्क चश्मा व दवाइयां वितरित की गई!

इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा आधुनिक उपकरणों से मरीजों की आंखों की जांच की गई जिन मरीजों की दृष्टि कमजोर पाई गई उन्हें मौके पर ही नि:शुल्क चश्मा व दवाइयां वितरित की गईं तथा गंभीर समस्या से ग्रसित मरीजों को आगे के उपचार हेतु परामर्श दिया गया!

समाजसेविका शालिनी सिंह ने कहा कि आज के युग में आंखों में समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं लेकिन आर्थिक अभाव के कारण ग्रामीण समय से उपचार नहीं कर पाते इसी उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया ताकि जरूरतमंदों को राहत मिल सके! ग्रामीणों ने समाजसेविका के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समय पर होते रहने चाहिए जिससे गरीब और जरूरतमंद लोगों को लाभ मिल सके! शिविर के सफल आयोजन में स्थानीय नागरिक भोले शंकर भी कन्हैया बक्स रामकरण पप्पू राजू हिमांशू, शैलेंद्र, लाल सिंह, रामफल सेठ बांके अजय पाल, सर्वेश, आदेश, शोभित मिश्रा, मनोज तिवारी, डब्बू सिंह, उमेश सिंह, महेंद्र सिंह सहित सैंकड़ो ग्रामीणों ने सहयोग किया!

किसान गोष्ठी में बसंत कालीन गन्ना बुआई के किये किसानों को जागरूक किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गोष्ठी में बोलते गन्ना विकास परिषद के अधिकारी — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। गन्ना विकास परिषद लोनी शुगर यूनिट के संयुक्त तत्वाधान में चीनी मिल परिक्षेत्र के बेहटा गोकुल रीजन के कोठिला सरैया गाँव में गन्ने के उत्पादन को बढ़ाने और बसंतकालीन गन्ना बुवाई हेतु बीज की उपलब्धता एवं उन्नतशील प्रजातियों का चयनए गन्ने में लगने वाली बीमारियां और उनके समाधान हेतु वृहद किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला गन्ना अधिकारी निधि गुप्ता द्वारा कृषकों को बसंत कालीन गन्ना बुवाई हेतु गन्ना बीज सुरक्षण के बारे में विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारियां दी गई तथा गन्ना शोध संस्थान शाहजहांपुर से सहायक निदेशक डाण् पीण्केण् कपिल द्वारा गन्ने की स्वीकृत किस्मेंए बसंतकालीन गन्ना उत्पादन तकनीक व समसामयिक क्रियाओं पर चर्चा करते हुये गन्ना फसल सुरक्षा प्रबन्ध पर प्रकाश डाला। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक लोनी पुत्तन लाल द्वारा कृषि लागत कम करते हुये गन्ना उपज में वृद्धि कर किसानों की आमदनी दोगुना करने एवं गन्ना विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। चीनी मिल लोनी के विभागाध्यक्ष अनिल सिंह द्वारा किसान भाईयों से अपील की वह बसंतकालीन गन्ने की ज्यादा से ज्यादा रकबे में बुवाई करें तथा बसंतकाल बुवाई में उन्नतशील प्रजातियों सीओ 15023, सीओ 0118, सीओएस13235, सीओएल के 14201, सीओएलके 16202, सीओएलके 94184 तथा निचली भूमि में सीओ 98014 की बुवाई कर तथा इन्हीं प्रजातियों का पेड़ी प्रबन्धन करते हुये अधिक उपज लेकर लाभ अर्जित कर सकते है, उन्होनें गन्ना बीज का चयन रोगरहित प्लाट से करने तथा चीनी मिल द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं में दिये जा रहे अनुदान तथा उन्नतशील प्रजातियों के बीज संरक्षण पर प्रीमियम रूपया 50 प्रति कु0 किसानों को उपलब्ध कराने के सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी दी। चीनी मिल के अपर महाप्रबन्धक अली आरजू जैदी ने चीनी मिल क्षेत्र में एस0टी0पी0 (सिंगल बड तकनीक) विधि द्वारा बसंतकालीन में गन्ने की बुवाई करने व बीज की लागत को कम करने तथा गन्ने की खेती में यान्त्रिकीकरण को अपनाकर लेवर की समस्या से निजात पाने के बारे विस्तृत जानकारी के साथ चीनी मिल द्वारा विभिन्न प्रकार के कृषि यंत्रों पर दी जा रही छूट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मंच का संचालन प्रबंधक (गन्ना) प्रवीर सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी किसान भाइयों को धन्यवाद व्यक्त किया। गन्ना फसल में लगने वाली बीमारियों की रोकथाम विशेषत: लाल सड़न रोग पहचान एवं रोकथाम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर चीनी मिल के समस्त जोनल हेड एवं कर्मचारीगण तथा चीनी मिल क्षेत्र के किसानों ने भाग लिया।

सीएमओ ने मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का निरीक्षण किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। रविवार को दोपहर ०3:00 बजे मुख्य चिकित्सा अधिकारी हरदोई भव नाथ पांडेय द्वारा उधरनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का औचक निरीक्षण किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने आयुष्मान कार्ड प्रगति की गहन समीक्षा की। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के लिए सभी को निर्देशित किया। मेले में 48 मरीज देखे गए, और 22 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। प्रभारी सीएचसी शाहबाद डॉ० प्रवीण दीक्षित ने बताया मरीजों को दवाई वितरण कर जांचें भी की गई। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ० प्रवीण दीक्षित, डॉ० विक्रम, डॉ० विक्रम आयुष, डॉ० खालिदा, एनम सुषमा, एल टी कुलदीप, एनसीडी स्टाफ नर्स नेहा, सतीश, फार्मासिस्ट जगदंबा सागर एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। सीएमओ द्वारा सभी को निर्देशित किया कि सभी लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं और सभी स्वास्थ्य सुविधाएं मरीजों को देना सुनिश्चित करें।

सुन्दर कलाकारों द्वारा मेघनाथ वध की लीला का मंचन किया गया

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। भगवान श्री रामचंद्र जी के चरित्र में वृंदावन से आए हुए सुन्दर कलाकारों द्वारा मेघनाथ वध की लीला का मंचन किया गयाए जिसमें जब कुंभकरण मर गया तो रावण रोने लगा बड़ा दुखी हुआ तभी मेघनाथ आया और अपने पिता को समझाने लगा, और कहा पिताजी चिंता ना करें कल के युद्ध में जाकर सबको मार दूंगा मेघनाथ कंदरा में जाकर अपावन यज्ञ करने लगा, विभीषण ने तुरंत ही यह बात राम जी को बतलाई, और राम जी ने लक्ष्मण जी हनुमान जी एवं सभी बंदरो को भेजा

उन्होंने वहां जाकर यज्ञ विंध्यस किया। मेघनाथ और लक्ष्मण जी का युद्ध हुआ और राम जी का नाम लक्ष्मण जी ने स्मरण किया और मेघनाथ का वध किया! मुख्य आयोजक- रामप्रकाश शुक्ला, श्रीकृष्ण अवतार दीक्षित, अमलेन्द्र नाथ मिश्रा, प्रेम शंकर द्विवेदी, अशोक शुक्ला, प्रदीप पाठक, प्रियम मिश्रा, मनोज शुक्ला, विनीत मिश्रा, त्रिलोकी नाथ, प्रमोद मिश्रा, मुनेन्द्र सिंह, समीर शुक्लाए कुलदीप तिवारी, अभय पाण्डेय सहित सैकड़ो गणमान्य नागरिक व महिलाएं उपस्थित रही! रात्रि की लीला में महाराज भरतरी चरित्र की लीला का मंचन किया गया, जिसमे महारानी पिंधला के प्रेम में महाराज वैराग्य शतक छोड़कर श्रृंगार शतक लिखने लगे तभी गोरखनाथ ने अपनी माया से कैसे दोनों को दूर किया!

युवक ने फाँसी लगाकर की आत्महत्या

हरपालपुर (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। निकारी गांव में शनिवार रात एक 24 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों के चलते फाँसी लगाकर आत्महत्या कर ली हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, हरपालपुर थाना क्षेत्र के निकारी गांव निवासी धीरज (24) पुत्र राकेश ने शव गांव में बाहर खड़े नीम के पेड़ के संदिग्ध परिस्थितियों के चलते फांसी के फंदे से लटकता मिला है। परिजनों के अनुसार, धीरज करीब 4-5 दिन पहले अपनी पत्नी बबीता और एक वर्षीय बेटी को विदा कराने के लिए अपनी ससुराल गोंडा गया था। पत्नी साथ आने को तैयार नहीं हुईए तो वह शनिवार शाम अकेले ही गांव लौट आया। घर लौटने के बाद से ही वह काफी गुमसुम और परेशान था। इसी मानसिक पीड़ा के चलते उसने शनिवार रात घर से कुछ दूरी पर स्थित नीम के पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक दो भाइयों में छोटा था तथा दिल्ली में रहकर निजी कंपनी में कार्य कर परिवार का भरण पोषण करता था। हरपालपुर के प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फाइल फोटो-मृतक धीरज।

पत्नी के मायके जाने के 1 माह बाद पति ने फांसी लगाकर दी जान

कोथावाँ (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेनीगंज कोतवाली अंतर्गत प्रदीप (27) पुत्र सियाराम निवासी बेलंदखेड़ा मजरा भैंनगांव घर पर रहकर खेती बाड़ी करता था कल शनिवार करीब 4 बजे अपने घर पर अकेले था पत्नी रोली मायके में थी परिजन अपने खेतों पर काम कर रहे थे लौट के परिजन घर आकर देखा तो प्रदीप घर के बरामदे में साड़ी से छल्ले में फंदा लगाकर लटक रहा था ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने आज रविवार सुबह शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भेज दिया है। मृतक अपने पीछे पुत्र राधे पुत्री राधिका व छोटा बालक 1 माह को छोड़ गया है

मृतक की फाइल फोटो

रोते-बिलखते परिजन — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

साथ ही परिजनों का रोरो कर बुरा हाल है। बेनीगंज कोतवाल ओमप्रकाश सरोज से जानकारी करने पर बताया फांसी लगाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका परिजनों से अब तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है पोस्टमार्टम रिपोर्ट व परिजनों से तहरीर मिलने के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सवायजपुर प्रीमियर लीग पर पहली बार सवायजपुर का कब्जा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

सवायजपुर (हरदोई)। सवायजपुर प्रीमियर लीग के आठवें संस्करण में फूल बगिया मैदान पर आज फाइनल मैच खेला गया। 8 वर्षों में पहली बार सवायजपुर सहारा क्रिकेट क्लब ने शिवान्श पाण्डेय की कप्तानी में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर क्षेत्र में नया इतिहास रच दिया।

फाइनल मुकाबले में सुमित सिंह गोले ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए सर्वाधिक 62 रन बनाए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उँचागांव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया, लेकिन पूरी टीम 118 रन पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सहारा क्रिकेट क्लब की टीम ने संयमित और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए 12 ओवर में ही मैच अपने नाम कर लिया। सुमित सिंह गोले को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज, बेस्ट बैट्समैन और बेस्ट बॉलर के खिताब से नवाजा गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू ने विजेता सहारा क्रिकेट क्लब सवायजपुर को 31 हजार रुपये तथा उपविजेता ऊंचागांव टीम को 15 हजार रुपये की पुरस्कार राशि व ट्रॉफी प्रदान की। नन्हे भैया राठौर और हवलदार सिंह को बेस्ट अंपायर, ऋतेश त्रिपाठी व सर्वेश कुमार को बेस्ट कमेंटेटर तथा दीपू और आसिफ को बेस्ट स्कोरर के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक माधवेन्द्र प्रताप सिंह रानू ने कहा, खेल केवल हार-जीत का नाम नहीं, बल्कि अनुशासन और जुझारूपन का प्रतीक है। आज विधानसभा क्षेत्र में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में सम्मिलित होकर विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मैदान पर खिलाड़ियों का जोश देखकर यह विश्वास और दृढ़ हुआ कि हमारे क्षेत्र की माटी में अद्भुत प्रतिभा छिपी है। हमारा निरंतर प्रयास रहेगा कि क्षेत्र में ऐसे आयोजन होते रहें, ताकि यहाँ की खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिले और वे बड़े स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ। शीघ्र ही भरखनी के रम्पुरा खम्हरिया और हरपालपुर के सतौथा में स्टेडियम बनेंगे। टीमों को खेल भावना के बीच विवादो से दूर रहना चाहिए। आयोजन समिति की ओर से राजन सिंह गौरव पाण्डेय ने विधायक रानू सिंह व विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता आलोक शुक्ला और डॉक्टर रजनीश त्रिपाठी को सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अधिवक्ता संजय पाण्डेय शान्तनु सिंह मनीष दुवे राकेश शुक्ला दीपांशु सिंह रानू राठौड सहित बडी में दर्शक उपस्थित रहे। इस ऐतिहासिक जीत से टीम और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई।

अवैध कब्जे का विरोध करने पर पीट कर घायल किया

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मोहल्ला माहीबाग में अवैध कब्जे की शिकायत पर पुलिस द्वारा बरती गयी लापरवाही से अवैध कब्जेदारों ने एक परिवार को पीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जाँच कर रही है।पीड़ित जीशान पुत्र निसार के अनुसार उसके पड़ोसी नसीम पुत्र इनायत अपने पुत्रों आजम और मोअज्जम के साथ मिलकर उसकी जमीन पर दीवार बना रहे थे। उसने अवैध कब्जे की 16 फरवरी को कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देकर रुकवाने की गुहार लगाई थी। पुलिस ने उस पर कोई कार्यवाही नहीं की। इसलिए विपक्षी उसकी भूमि पर अवैध निर्माण करते रहे। 18 फरवरी को उसने निर्माण रोकने को कहा तो विपक्षी अपने अन्य भाई वसीम पुत्र इनायत और उसके पुत्रों अफजाल और फैज़ान के साथ सीढ़ी लगाकर उसकी छत के रास्ते मकान में घुस आएए और लाठी डंडेए धारदार हथियार लेकर उसे गाली गलौज किया और उसे उसके भाई उस्मान और भतीजे हम्माद को मारपीट कर गंभीर घायल कर दिया। मारपीट में उसके भाई और भतीजे के काफ़ी चोट आई है। पीड़ित की दूसरी तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

कार्यालय ग्राम पंचायत-अहिरी, विकास खण्ड-अहिरोरी, जनपद-हरदोई

पत्रांकः-मेमो/ग्राम पंचायत/मन0मि0/2025-26 — दिनाँकः-22.02.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत-अहिरी द्वारा मनरेगा योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को कराये जाने हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु रजिहस्टर्ड फर्मे जी0एस0टी0 टिन नम्बर धारक फर्मों से अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनाँक-23.02.2026 से 26.02.2026 तक निविदायें / कोटेशन आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	क्रय की जाने वाली सामग्री	निविदा शुल्क
01	अहिरी चनोखर डामर रोड से सन्तराम के हाता तक खड़ण्जा निर्माण कार्य।	303756.00	M BRICKS CLASS 275	100.00
02	विपिन बिहारी के खेत से अशोक के खेत तक खड़ण्जा निर्माण कार्य।	303756.00	M BRICKS CLASS 275	100.00
03	अशोक के खेत से सन्तराम की बोरिंग तक खड़ण्जा निर्माण कार्य।	303756.00	M BRICKS CLASS 275	100.00

नोटः- नियम शर्ते निम्नवत् हैः-

01. दिनाँक-23.02.2026 से 26.02.2026 तक समय 10:00 बजे ग्राम पंचायत-अहिरी से किसी भी कार्य दिवस में 100 रू0 मूल्य का शुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं।
02. समस्त निविदायें दिनाँक-23.02.2026 से कार्यालय ग्राम पंचायत-अहिरी में निविदा डाले जायेंगे। तदोपरान्त ग्राम पंचायत की अध्यक्षता में कार्यालय द्वारा गठित समिति के समक्ष दिनाँक-26.02.2026 को खोली जायेंगी।
03. वर्णित कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु व्यय की कर पंजीकृत फर्मों से ही विविध आमंत्रित की जाती है।
04. समस्त सामग्री के बिलों के भुगतान पर निर्धारित दर से करो की कटौती की जायेगी।
05. किसी भी निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार गठित निविदा समिति को होगा।

प्रधान
ग्राम पंचायत-अहिरी,
विकास खण्ड-अहिरोरी, हरदोई।

सचिव
ग्राम पंचायत-अहिरी,
विकास खण्ड-अहिरोरी, हरदोई।

प्रकृति, धन और स्वास्थ्य: एक संतुलित दृष्टिकोण

आधुनिक दुनिया में, मानव जीवन मुख्यतः दो शक्तिशाली शक्तियों - प्रकृति और धन के इर्द-गिर्द घूमता है। जबकि प्रकृति हमारे अस्तित्व की नींव रखती है, पैसा हमारी आकांक्षाओं और सुख-सुविधाओं को बढ़ावा देता है। हालाँकि, स्वास्थ्य चुपचाप केंद्र में खड़ा है और दोनों को जोड़ता है। स्वास्थ्य के बिना न तो प्रकृति की सुंदरता का आनंद लिया जा सकता है और न ही धन के लाभों का पूरा उपयोग किया जा सकता है। इसलिए, सार्थक और टिकाऊ जीवन के लिए प्रकृति, धन और स्वास्थ्य का संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। प्रकृति जीवन और उपचार का सबसे बड़ा स्रोत है। ताज़ी हवा, स्वच्छ पानी, सूर्य का प्रकाश, जंगल, नदियाँ और उपजाऊ मिट्टी न केवल हमारे शरीर को बल्कि हमारे मन को भी सहारा देती है। वैज्ञानिक अनुसंधान से लगातार पता चलता है कि प्राकृतिक वातावरण में बिताया गया समय तनाव को कम करता है, रक्तचाप को कम कर देता है, प्रतिरक्षा में सुधार करता है, तथा मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है। पार्क में टहलना, बागवानी करना या पक्षियों की आवाज सुनना मन को कई कृत्रिम उत्तेजक पदार्थों से अधिक प्रभावी ढंग से शांत कर सकता है। हालाँकि, तीव्र शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने मनुष्यों को प्रकृति से दूर कर दिया है। कंक्रीट के जंगल हरे-भरे जंगलों का स्थान ले रहे हैं। प्रदूषण से वायु और जल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक लय को बदल रहा है। जब हम प्रकृति को नुकसान पहुंचाते हैं, तो हम अप्रत्यक्ष रूप से अपने स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाते है। इस प्रकार, प्रकृति का सम्मान करना और उसका संरक्षण करना केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं है; यह स्वास्थ्य के लिए एक आवश्यकता है। निस्संदेह पैसा महत्वपूर्ण है। यह भोजन, आश्रय, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा प्रदान करता है। आज के समाज में वित्तीय स्थिरता चिंता को कम करती है और विकास के अवसर प्रदान करती है। सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिए एक निश्चित स्तर की आर्थिक सुविधा आवश्यक है। फिर भी, समस्याएं तब उत्पन्न होती हैं जब पैसा जीवन जीने का साधन बनने के बजाय अंतिम लक्ष्य बन जाता है। कई लोग धन की अथक खोज में नींद, पारिवारिक समय, मानसिक शांति और यहां तक कि शारीरिक स्वास्थ्य का भी त्याग कर देते हैं। लंबे समय तक काम करना, दीर्घकालिक तनाव, अस्वास्थ्यकर खानपान और गतिहीन जीवनशैली अक्सर वित्तीय महत्वाकांक्षा की छिपी हुई लागतें होती हैं। विडंबना यह है कि लोग पैसा कमाने के लिए अपना स्वास्थ्य खर्च करते हैं और बाद में स्वास्थ्य को पुनः प्राप्त करने के लिए पैसा खर्च करते हैं। यह विरोधाभास संतुलन के महत्व को उजागर करता है। स्वास्थ्य के बिना धन आशीर्वाद के बजाय बोझ बन जाता है। स्वास्थ्य को अक्सर सबसे बड़ी संपत्ति के रूप में वर्णित किया जाता है, और यह सही भी है। इसमें शारीरिक फिटनेस, मानसिक स्थिरता, भावनात्मक लचीलापन और सामाजिक कल्याण शामिल हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति उत्पादक ढंग से काम कर सकता है, स्पष्ट रूप से सोच सकता है, तथा रिश्तों का आनंद ले सकता है। स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए हमेशा महंगे उपायों की आवश्यकता नहीं होती। संतुलित पोषण, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, तनाव प्रबंधन और सार्थक सामाजिक संबंध सरल लेकिन शक्तिशाली आदतें हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रकृति के साथ पुनः जुड़ना - बाहरी गतिविधियों, सचेत श्वास लेने या बस हरियाली की सराहना करने से - प्राकृतिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है। निवारक स्वास्थ्य देखभाल, नियमित चिकित्सा जांच और अनुशासित जीवनशैली कई दीर्घकालिक बीमारियों से बचने में मदद करती है जो आधुनिक समाज में तेजी से आम हो रही हैं। हमारे समय की वास्तविक चुनौती प्रकृति, धन और स्वास्थ्य के बीच चयन करना नहीं है, बल्कि उन्हें सामंजस्य में लाना है। सतत विकास का उद्देश्य आर्थिक वृद्धि और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाना है।

स्वास्थ्य के बिना न तो प्रकृति की सुंदरता का आनंद लिया जा सकता है और न ही धन के लाभों का पूरा उपयोग किया जा सकता है। इसलिए, सार्थक और टिकाऊ जीवन के लिए प्रकृति, धन और स्वास्थ्य का संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। प्रकृति जीवन और उपचार का सबसे बड़ा स्रोत है। ताज़ी हवा, स्वच्छ पानी, सूर्य का प्रकाश, जंगल, नदियाँ और उपजाऊ मिट्टी न केवल हमारे शरीर को बल्कि हमारे मन को भी सहारा देती है। वैज्ञानिक अनुसंधान से लगातार पता चलता है कि प्राकृतिक वातावरण में बिताया गया समय तनाव को कम करता है, रक्तचाप को कम कर देता है, प्रतिरक्षा में सुधार करता है, तथा मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है।

कर्नाटक में देसी बीज बचाने वाली महिलाएं

बाबा मायाराम

कर्नाटक राज्य में उत्तर कन्नड़ जिले की सिरसी तालुका में महिला किसानों का समूह है, जो जंगल में घरेलू कृषि बागवानी को बढ़ावा देता है। परंपरागत देसी बीजों, जैव विविधता और पर्यावरण का संवर्धन और संरक्षण करता है। वनस्त्री नामक संस्था के काम से ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों के लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। आज इस अनूठे महिला समूह के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे देसी बीजों को बचाने की इस पहल को जाना जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में इसके महत्व को समझा जा सके। मैं कर्नाटक में वनस्त्री के काम को देखने के लिए कुछ साल पहले गया था। कई गांव घूमा था। और महिला समूह के सदस्यों से मिला था। इसके बाद भी वनस्त्री के कार्यकर्ताओं से एक दो बार अलग-अलग कार्यक्रमों में मुलाकात हुई है। यहां महिलाओं ने लगातार देसी बीज बचाने, विशेषकर सब्जियों के बीज संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देसी बीजों के साथ पारंपरिक ज्ञान भी बचाया जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल परिस्थितियों, जैव विविधता व पर्यावरण को बचाया जा सके। इससे न केवल गांव, कस्बों, शहरों की महिलाओं को जोड़ा है, बल्कि दूरदराज के आदिवासियों महिलाओं को भी जोड़ा है और उन्हें प्रशिक्षित किया है। वनस्त्री की शुरूआत 2001 में हुई। सुनीता राव ने इसकी पहल की थी, जो अपनी पढ़ाई के दौरान ही जापान के मशहूर कृषि वैज्ञानिक मोसानोबू फुकूओका से मिली थीं और प्रभावित हुई थीं। तब वह पांडिचेरी में पढ़ रही थीं, उस दौरान फुकूओका वहां आए थे। उनसे प्रभावित होकर वैसा ही काम करना चाहती थीं। एक जमाने में फुकूओका की किताब एक तिनके से आई क्रांति काफी चर्चित रही थी। फुकूओका ने खुद जापान में उनके खेत में प्राकृ तिक खेती के प्रयोग किए थे, जो बाद में दुनिया भर में चर्चित हुए। संस्था की कार्यकर्ता सुनीता राव ने बताया था कि वनस्त्री को काम करते हुए कई साल हो गए हैं। इससे जुड़कर बड़ी संख्या में महिला किसान जंगल घरेलू कृषि बागवानी का अनूठा काम कर रही हैं। इससे खाद्य, चारा, ईंधन, रेशा, औषधियां मिलती हैं। यह बेहतर स्वास्थ्य के साथ टिकाऊ जीवनशैली का आधार है। प्रकृति से जुड़ने का एक माध्यम भी है। सुनीता राव बताती हैं कि इसकी शुरूआत अनौपचारिक रूप से हुई। जब भी हम किसी के घर जाते थे तब वे सबसे पहले उनका सब्जी का बगीचा दिखाते थे, बाद में घर के अंदर ले जाते थे। उनके लिए सब्जी का बगीचा बहुत महत्वपूर्ण होता था। यह बगीचा घर के बाहर छोटे हिस्से में होता है। एक एकड़ से कम या ज्यादा भूमि के टुकड़े में हो सकता है। जिसमें मिश्रित फसलें होती हैं। विविध तरह की सब्जियां, फल- फूल, जंगली कंद-मूल व औषधिपूर्ण पौधे होते हैं। वे आगे बताती हैं कि श्ये महिलाएं पूरी तरह आत्मनिर्भर व स्वावलंबी हैं। वे अपने बगीचे में सब्जियां व फल उगाती हैं। फसल कटाई के बाद बीजों को चुनती हैं, उन्हें संभालती हैं, और उनका आदान-प्रदान करती हैं। परंपरागत बीजों की धरोहर व उससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान को सहेजती हैं। मैं भी ऐसा ही कुछ काम करना चाहती थी। देसी बीजों का संरक्षण करना चाहती थी, परंपरागत ज्ञान एकत्र करना चाहती थी। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं को जोड़ने की इच्छा थी। वनस्त्री की शुरूआत इसी तरह से हुई। वनस्त्री ने इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए अलग-अलग समय में कई तरह के काम किए हैं। उन्होंने जगह-जगह जाकर देसी बीज एकत्रित किए, आपस में आदान प्रदान किए, उनके गुणधर्म जाने, और इसका प्रचार- प्रसार किया। इस संस्था ने कोविड के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व स्वस्थ रहने के लिए पारंपरिक काढ़े को बढ़ावा दिया है। यह हल्दी, अदरक, काली मिर्च, ब्राम्ही, तुलसी, अजवाइन, जीरे का उपयोग कर बनाया जाता है। इस काढ़े को दूध या पानी के साथ पीते हैं। लेमनग्रास, अदरक व तुलसी की चाय पी। यह पारंपरिक नुस्खा सदियों से आजमाया गया है, जो लोगों के अनुभव व पारंपरिक ज्ञान से निकला है। वनस्त्री ने अखबारी कागज के गमले बनाए हैं। उनमें बीज और पौधे रोपकर स्थानीय स्तर पर वितरित किए। इस मुहिम में स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रूप में कुछ युवा भी जुड़े। वनस्त्री के काम के प्रचार-प्रसार में डाकघर व डाकिया का योगदान अहम है। एक डाकिया ने शुरूआत में पर्चे बांटने में मदद की थी। पारंपरिक बीजों के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए हर साल मलनाड़ मेला होता है। इसके आयोजन में वनस्त्री भी शामिल है। इससे ग्रामीण व शहरी समुदायों को जोड़ने की कोशिश है। इसे मलनाड वार्षिक मेला कहते हैं, जो मेलनाडु पहाड़ी शृंखला के नाम पर है। जिसमें महिला किसान व वनस्त्री के सदस्य आते हैं। उनके खेती व जंगल के उत्पाद लाते हैं, जिसमें बीज, औषधीय पौधे, खाद्य व गैर खेती खादय व हस्तशिल्प होता है। यह मेला एक दिन का होता है और यह भी ग्रामीण व शहरी लोग आते हैं और पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाते हैं। इस पूरी पहल से कुछ बातें कही जा सकती हैं वनस्त्री व गांवों में घरेलू कृषि बागवानी का महत्व पता चला। परंपरागत बीजों का महत्व पता चला, जो सदियों से विकसित हुए हैं। ये बीज, स्थानीय मिट्टी पानी और जलवायु के अनुकूल होते हैं। इनमें कीट, सूखा और प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। जैवविविधता और पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका रेखांकित की, जो सदियों से है। बीज संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के आदान प्रदान में महिलाएं सदैव आगे रही हैं। वे न केवल पारंपरिक बीज बल्कि रसोईघर की व्यवस्था, संस्कृति और जीवनशैली को बचाने में भी आगे रही हैं। कुल मिलाकर, यह परंपरागत बीजों को बचाने और बढ़ाने की, टिकाऊ खेती की, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और पर्यावरण बचाने की छोटी सी पहल है। आत्मनिर्भर, स्थानीयकरण व स्वावलंबन की ओर बढ़ने की पहल है। महिला किसानों को नई पहचान देने की पहल है, जो खेती की अधिकांश काम करती हैं परंतु पीछे रहती हैं। इससे यह भी समझ आता है कि बागवानी, सब्जी, फल-फूल, औषधीय पौधों व सब्जी बाड़ी (किचिन गार्डन) पर ध्यान दिया जाना चाहिए,जो बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है वनस्त्री की छोटी पहल उम्मीद की किरण भी दिखाती है, जो दीर्घकालीन उपायों की दिशा दिखाती है। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे?

जलवायु बदलाव के दौर में इसके महत्व को समझा जा सके। मैं कर्नाटक में वनस्त्री के काम को देखने के लिए कुछ साल पहले गया था। कई गांव घूमा था। और महिला समूह के सदस्यों से मिला था। इसके बाद भी वनस्त्री के कार्यकर्ताओं से एक दो बार अलग-अलग कार्यक्रमों में मुलाकात हुई है। यहां महिलाओं ने लगातार देसी बीज बचाने, विशेषकर सब्जियों के बीज संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देसी बीजों के साथ पारंपरिक ज्ञान भी बचाया जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल परिस्थितियों, जैव विविधता व पर्यावरण को बचाया जा सके। इससे न केवल गांव, कस्बों, शहरों की महिलाओं को जोड़ा है, बल्कि दूरदराज के आदिवासियों महिलाओं को भी जोड़ा है और उन्हें प्रशिक्षित किया है। वनस्त्री की शुरूआत 2001 में हुई। सुनीता राव ने इसकी पहल की थी, जो अपनी पढ़ाई के दौरान ही जापान के मशहूर कृषि वैज्ञानिक मोसानोबू फुकूओका से मिली थीं और प्रभावित हुई थीं।

क्या संभावित अमेरिका-ईरान युद्ध वैश्विक युद्ध का आगाज होगा

संजीव ठाकुर

अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्ध की आशंका केवल राजनीतिक बयानबाज़ी तक सीमित नहीं रही है बल्कि उसके पीछे गहरी सामरिक तैयारियाँ और दीर्घकालिक सैन्य रणनीतियाँ भी काम कर रहीं हैं। अब अमेरिका अपनी जंगली लाव- लश्कर के साथ ईरान को चारों तरफ से घेरने की तैयारी में तैनात हो गया है। अब यदि कभी प्रत्यक्ष युद्ध की स्थिति बनती है, तो यह समझना आवश्यक होगा कि अमेरिका विशिष्ट प्रकार की सैन्य तैयारी और युद्ध क्षमता के साथ मैदान में उतर सकता है, और ऐसी तैयारी किसी क्षेत्रीय संघर्ष को व्यापक वैश्विक टकराव की दिशा में धकेल सकती है। अमेरिका विश्व की सबसे सशक्त सैन्य शक्तियों में शुमार माना जाता है, जिसकी वैश्विक उपस्थिति अनेक महाद्वीपों में फैले सैन्य अड्डों, नौसैनिक बेड़ों और वायुसेना ठिकानों के रूप में दिखाई देती है। खाड़ी क्षेत्र में उसकी स्थायी और अस्थायी सैन्य तैनाती पहले से मौजूद है, जिसमें विमानवाहक पोत समूह, मिसाइल विध्वंसक जहाज़, पनडुब्बियाँ और उन्नत लड़ाकू विमान शामिल होते हैं। अमेरिकी सामरिक सिद्धांत फोर्स प्रोजेक्शन पर आधारित है, अर्थात वह अपनी सैन्य शक्ति को दूरस्थ क्षेत्रों में तेज़ी से तैनात करने की क्षमता रखता है। अमेरिका की युद्ध तैयारी का एक प्रमुख आयाम उसकी वायु श्रेष्ठता है। अत्याधुनिक स्टील्थ लड़ाकू विमान, लंबी दूरी के बमवर्षक और ड्रोन नेटवर्क उसे शुरुआती चरण में शत्रु के वायु रक्षा तंत्र, संचार नेटवर्क और सामरिक ठिकानों को निष्क्रिय करने की क्षमता प्रदान करते हैं। किसी संभावित युद्ध में अमेरिका पहले चरण में शॉक एंड ऑ जैसी रणनीति अपनाते हुए मिसाइल हमलों और सटीक बमबारी के माध्यम से ईरान की कमांड एंड कंट्रोल संरचना को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। इसके अतिरिक्त उसकी साइबर युद्ध बड़ी ताकत है, जिसके माध्यम से वह शत्रु के विद्युत ग्रिड, बैंकिंग तंत्र और सैन्य संचार प्रणाली को बाधित कर सकता है।नौ-सैनिक दृष्टि से फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडम मध्य सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि युद्ध छिड़ता है तो अमेरिकी नौसेना समुद्री मार्गों की सुरक्षा और ईरान की नौसैनिक गतिविधियों को नियंत्रित करने पर विशेष ध्यान देगी। विमानवाहक पोत समूह किसी भी तटीय लक्ष्य पर दूर से ही आक्रमण करने में सक्षम होते हैं। साथ ही पनडुब्बियों से दागी जाने वाली क्रूज़ मिसाइलें ईरान के भीतर गहरे स्थित ठिकानों तक पहुंच सकती हैं। अमेरिका की मिसाइल रक्षा प्रणाली और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ समन्वय भी उसकी तैयारी का हिस्सा होता है। अमेरिका की सामरिक तैयारी केवल प्रत्यक्ष युद्ध तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह अपने सहयोगी देशों और सैन्य गठबंधनों के माध्यम से दबाव बनाने की नीति भी अपनाता है। खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी अड्डे, क्षेत्रीय साझेदारों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास, और उन्नत हथियार प्रणालियों की तैनाती एक प्रकार का शक्ति प्रदर्शन भी होते हैं। इसके अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध और वित्तीय नाकेबंदी भी अमेरिकी रणनीति का हिस्सा होते हैं, जिनका उद्देश्य शत्रु देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर युद्ध क्षमता को सीमित करना होता है। हालांकि, यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि ईरान पारंपरिक युद्ध में अमेरिका से कमजोर होते हुए भी असममित युद्ध रणनीति में दक्ष माना जाता है। वह मिसाइलों, ड्रोन, समुद्री माइंस और प्रॉक्सी समूहों के माध्यम से अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों को निशाना बना सकता है। इसलिए अमेरिकी तैयारी में केवल आक्रमण ही नहीं, बल्कि रक्षा और क्षति-नियंत्रण की योजना भी शामिल रहती है। मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति मार्गों की रक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल होगा। यदि इस संघर्ष में अन्य महाशक्तियाँ अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होती हैं, तो स्थिति और जटिल हो सकती है। रूस और चीन जैसे देश कूटनीतिक या सीमित सामरिक समर्थन के माध्यम से शक्ति संतुलन बनाने का प्रयास कर सकते हैं। वहीं इज़राइल अपनी सुरक्षा चिंताओं के कारण सक्रिय भूमिका निभा सकता है। ऐसी स्थिति में युद्ध क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर प्रभाव डाल सकता है, विशेषकर ऊर्जा बाज़ार और वैश्विक व्यापार पर। अमेरिका की सामरिक तैयारी का एक महत्वपूर्ण पहलू उसकी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता भी है, यद्यपि परमाणु हथियारों का उपयोग अंतिम विकल्प माना जाता है। परमाणु त्रिस्तरीय प्रणाली भूमि आधारित मिसाइलें, पनडुब्बी से प्रक्षेपित मिसाइलें और रणनीतिक बमवर्षक उसे व्यापक प्रतिरोधक शक्ति प्रदान करती हैं। यही कारण है कि पूर्ण विश्व युद्ध की संभावना अपेक्षाकृत कम मानी जाती है, क्योंकि परमाणु शक्ति संतुलन बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष टकराव को रोकने में भूमिका निभाता है। अमेरिका की युद्ध तैयारी बहुआयामी, तकनीकी रूप से उन्नत और वैश्विक नेटवर्क पर आधारित है। यदि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध होता है तो प्रारंभिक चरण में अमेरिका अपनी वायु, नौसैनिक और साइबर क्षमता का व्यापक उपयोग कर सामरिक बढ़त लेने का प्रयास करेगा। किंतु यह संघर्ष विश्व युद्ध में तब्दील होगा या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अन्य महाशक्तियाँ किस हद तक प्रत्यक्ष रूप से शामिल होती हैं और कूटनीतिक प्रयास कितने सफल रहते हैं। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में प्रत्यक्ष विश्व युद्ध सभी के लिए विनाशकारी होगा, इसलिए संभावना अधिक यही है कि सामरिक तैयारी के बावजूद बड़े देश पूर्ण युद्ध से बचने का प्रयास करेंगे और संघर्ष को सीमित दायरे में रखने की रणनीति अपनाएँगे। वैश्विक स्तर पर यह लगातार प्रयास किया जा रहे हैं कि अमेरिका ईरान युद्ध जो बाद में वैश्विक युद्ध में परिवर्तित हो सकता है,को न होने दिया जाए अन्यथा प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध की तरह अमेरिका तीसरे विश्व युद्ध का निर्णायक देश फिर साबित होगा जो पूरे वैश्विक देश के लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो सकता है।

मध्य पूर्व में तैनात अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति मार्गों की रक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल होगा। यदि इस संघर्ष में अन्य महाशक्तियाँ अप्रत्यक्ष रूप से शामिल होती हैं, तो स्थिति और जटिल हो सकती है। रूस और चीन जैसे देश कूटनीतिक या सीमित सामरिक समर्थन के माध्यम से शक्ति संतुलन बनाने का प्रयास कर सकते हैं। वहीं इज़राइल अपनी सुरक्षा चिंताओं के कारण सक्रिय भूमिका निभा सकता है। ऐसी स्थिति में युद्ध क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर प्रभाव डाल सकता है, विशेषकर ऊर्जा बाज़ार और वैश्विक व्यापार पर। अमेरिका की सामरिक तैयारी का एक महत्वपूर्ण पहलू उसकी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता भी है, यद्यपि परमाणु हथियारों का उपयोग अंतिम विकल्प माना जाता है।

भारत का एआई नेतृत्व तकनीक एवं मानवीय मूल्यों का संगम बने

ललित गर्ग

दिल्ली इन दिनों केवल भारत की राजनीतिक राजधानी भर नहीं, बल्कि उभरती तकनीकी चेतना का वैश्विक केंद्र बनी हुई है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब प्रयोगशालाओं या कॉरपोरेट दफ्तरों तक सीमित तकनीक नहीं रही, बल्कि वह विकास की नई परिभाषा गढ़ने की दिशा में अग्रसर है। दुनिया के विभिन्न देशों, तकनीकी कंपनियों, शोध संस्थानों और नीति-निर्माताओं की उपस्थिति ने इस सम्मेलन को वैश्विक विमर्श का मंच बना दिया है। यह आयोजन इस तथ्य का उद्घोष है कि भारत केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि एआई युग का नेतृत्वकर्ता बनने की तैयारी में है। आज विश्व जिस तकनीकी संक्रमण से गुजर रहा है, उसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता निर्णायक भूमिका निभा रही है। स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, शासन और आर्थिक विकास-हर क्षेत्र में एआई समाधान की नई संभावनाएँ खोल रहा है। ऐसे समय में भारत का दृष्टिकोण केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं, बल्कि वह इसे मानव-केंद्रित विकास के साथ जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि तकनीक का अंतिम लक्ष्य मानवता की सेवा होना चाहिए, न कि केवल लाभ और वर्चस्व की दौड़। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है? आखिर गलगोटिया यूनिवर्सिटी के नीति-नियंताओं ने यह क्यों नहीं सोचा कि चीन निर्मित एक रोबोट को अपनी उपलब्धि बताने से देश की प्रतिष्ठा को आंच आएगी? अब यूनिवर्सिटी की तरफ से सफाई दी जा रही है कि उसने रोबोट के निर्माण का दावा नहीं किया। वहीं दूसरी ओर उन सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय की जानी चाहिए, जिन्होंने बिना जांच-पड़ताल के विश्वविद्यालय को एआई समिट में स्टॉल लगाने की अनुमति क्यों दी। निश्चित रूप से भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक व रोबोटिक उत्पादन के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई है। युवा शक्ति के देश भारत ने एआई के क्षेत्र में अमेरिका व चीन के बाद अपना तीसरा स्थान बनाया है। जिसकी पुष्टि अंतर्राष्ट्रीय मानक संस्थाओं ने भी की है। लेकिन एक विरोधाभासी हकीकत यह है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ी आबादी का देश है, जहां श्रम शक्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की भूमिका क्रांतिकारी सिद्ध हो सकती है। रोगों की प्रारंभिक पहचान, सटीक निदान, दवाओं के शोध और ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के विस्तार में एआई नई संभावनाएँ लेकर आया है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहाँ स्वास्थ्य संसाधनों का असमान वितरण है, वहाँ एआई आधारित समाधान दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर सेवाएँ पहुँचाने में सहायक हो सकते हैं। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में मौसम पूर्वानुमान, मृदा विश्लेषण, फसल प्रबंधन और आपूर्ति श्रृंखला के अनुकूलन में एआई किसानों की आय बढ़ाने और जोखिम कम करने का माध्यम बन सकता है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती भी आज मानवता के सामने विकराल रूप में उपस्थित है। चरम मौसम की घटनाएँ, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन विकास की गति को प्रभावित कर रहे हैं। एआई आधारित मॉडलिंग और डेटा विश्लेषण से प्राकृतिक आपदाओं का पूर्वानुमान, संसाधनों का बेहतर प्रबंधन और टिकाऊ नीतियों का निर्माण संभव है। यदि भारत इन क्षेत्रों में एआई का प्रभावी उपयोग करता है तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। शासन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में भी एआई पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण, भ्रष्टाचार पर अंकुश, नीति निर्माण में डेटा-आधारित निर्णय और वित्तीय समावेशन के विस्तार में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इससे न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी मजबूत होगा। आर्थिक दृष्टि से एआई नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और विनिर्माण क्षेत्र में नई ऊर्जा भर सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। किन्तु इस उजाले के साथ कुछ गहरी छायाएँ भी हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार संरचना में परिवर्तन स्वाभाविक है। अनेक पारंपरिक नौकरियाँ समाप्त हो सकती हैं और नई कौशल-आधारित नौकरियों की माँग बढ़ेगी। यदि कौशल विकास और पुनर्प्रशिक्षण पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो असमानता और बेरोजगारी की समस्या गहरा सकती है। इसी प्रकार डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा, डीपफ़ेक और निगरानी जैसे प्रश्न लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती बन सकते हैं। तकनीक का दुरुपयोग सामाजिक विभाजन और सूचना के दुष्प्रचार को बढ़ा सकता है। इसलिए आवश्यक है कि एआई के विकास के साथ नैतिक ढाँचे और नियामक व्यवस्था भी सुदृढ़ हो। भारत को ऐसा मॉडल विकसित करना होगा जिसमें नवाचार की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व का संतुलन बना रहे। ॣमानवता केंद्र मेंॣ का सिद्धांत केवल नारा न बने, बल्कि नीति और व्यवहार में परिलक्षित हो। एआई का उपयोग यदि समावेशी विकास, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के लिए किया जाए तो यह तकनीक समाज के कमजोर वर्गों के लिए अवसरों का द्वार खोल सकती है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो चीन और अमेरिका एआई के क्षेत्र में तीव्र प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। भारत के सामने चुनौती है कि वह इस दौड़ में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए। भारत का लोकतांत्रिक ढाँचा, विविध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और विशाल बाजार उसे एक अलग सामर्थ्य प्रदान करते हैं। यदि वह अनुसंधान में निवेश, स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के सुदृढ़ीकरण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्राथमिकता दे तो वह एआई के क्षेत्र में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए सस्ती, सुलभ और मानव-केंद्रित तकनीक उपलब्ध कराकर भारत एक नैतिक नेतृत्व स्थापित कर सकता है। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सम्मेलन केवल विचारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भविष्य की संरचना का प्रारूप है। यहाँ से निकले संकल्प यदि नीति और क्रियान्वयन में रूपांतरित होते हैं तो भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक बड़ा कदम बढ़ा सकेगा। यह अवसर है कि हम एआई को केवल आर्थिक लाभ का साधन न मानें, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और मानव कल्याण के माध्यम के रूप में देखें। आज जब दुनिया में मानवीय मूल्यों का क्षरण चिंता का विषय है, तब भारत के पास अवसर है कि वह तकनीक और नैतिकता के समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करे। एआई का विकास यदि करुणा, समावेशन और सतत विकास के आदर्शों के साथ हो तो यह मानवता के लिए वरदान सिद्ध होगा। भारत को अपने युवाओं, शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं के माध्यम से यह सुनिश्चित करना होगा कि एआई की यात्रा मानवता के उत्थान की यात्रा बने, न कि केवल प्रतिस्पर्धा और वर्चस्व की। निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब कृषि से लेकर चिकित्सा तक और उत्पादन के क्षेत्र में एआई व रोबोटिक्स की दखल बढ़ रही है, प्रचुर श्रमशक्ति की उपलब्धता के बावजूद भारत को समय के साथ कदमताल करनी होगी। हमें एआई व रोबोटिक्स को अपनाना ही होगा। लेकिन सावधानी के साथ ताकि यह नौकरी खाने वाला बनने के बजाय नौकरी देने वाला बने। समय की पुकार है कि हम तकनीकी प्रगति को राष्ट्रीय संकल्प में बदलें। शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास और नैतिक नेतृत्व के सहारे भारत एआई युग में एक नई पहचान गढ़ सकता है। यदि हम चुनौतियों को स्वीकार कर दूरदर्शिता से आगे बढ़ें तो यह युग भारत के लिए केवल तकनीकी उन्नति का नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व और मानवीय पुनर्जागरण का युग सिद्ध हो सकता है।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि इस ऊर्जा को गणित, भौतिकी, कंप्यूटर विज्ञान और डाटा विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाए तो भारत एआई अनुसंधान और नवाचार में विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सकता है। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की भूमिका यहाँ अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। हमें ऐसे संस्थानों की आवश्यकता है जो वास्तविक शोध और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें, न कि केवल झूठे दावों और विज्ञापन के बल पर प्रतिष्ठा अर्जित करने का प्रयास करें। शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता ही उस आधारशिला को मजबूत करेगी जिस पर भारत का एआई भविष्य खड़ा होगा। यह सवाल उठाया जा रहा है कि भारत आज व्यवहार में एआई व रोबोटिक्स के अनुसंधान में कहां खड़ा है?

वृहद विधिक सहायता शिविर का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी, जनपद के जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में रविवार को वृहद विधिक सहायता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कौशाम्बी के तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला जज जे.पी. यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी व्यक्ति न्याय से वंचित न रहे। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, परामर्श एवं सुलह-समझौता जैसी सेवाओं के प्रति जागरूक किया गया। महिला सशक्तीकरण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारों से जुड़े विषयों पर भी विशेष चर्चा की गयी। कार्यक्रम में 50 से अधिक विभागीय स्टॉल लगाए गए, जहां पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए गए। निर्बल एवं निर्धन वर्ग, दिव्यांगजन, बच्चों, महिलाओं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तथा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लाभार्थियों को संबंधित योजनाओं से लाभान्वित किया गया। बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा छह माह के नवजात शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार भी कराया गया, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। इस अवसर पर एडीजे प्रथम रमेश, अशोक श्रीवास्तव ए डी जे , सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आस्था मिश्र, ए एस पी राजेश कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित जनपद के सभी न्यायिक अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बाँदा रोटी बैंक ने मरीजों को फल का किया वितरण

बांदा। बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख़ सादी जमा साहब और सह संरक्षक चंद्रमौली भारद्वाज जी के संरक्षण में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी की महिला टीम की अध्यक्ष श्रीमती तबस्सुम फ़ात्मा की अध्यक्षता में महिला टीम की सक्रिय सदस्य श्रीमती रश्मि सिंह के नेतृत्व में महिला टीम के सहयोग से महिला जिला चिकित्सालय की मुख्य चिकित्साधिकारी डा.श्रीमती सुनीता सिंह जी के निर्देशन में जिला महिला अस्पताल स्टाफ़ के विशेष सहयोग से, महिला टीम के द्वारा हर माह की तरह इस बार भी महिला जिला चिकित्सालय बाँदा के मरीजों और तीमारदारों को फल,बिस्किट आदि का वितरण किया गया।इसके साथ ही महिला टीम की सदस्य नग्गो खातून और सदस्य शहाना खान के द्वारा मरीजों को उनके मौलिक अधिकारों तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया।उक्त फल,बिस्किट आदि पाकर मरीज़ों और उनके तीमारदारों ने बाँदा रोटी बैंक टीम को आशीर्वाद और दुआओं से नवाज़ा।

विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। रविवार को रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज, बाँदा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाँदा के तत्वावधान में एवं जिला प्रशासन के सहयोग से जनपद के सभी आमजन को विधिक सशक्तिकरण बनाने हेतु मेगा/वृहद विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सभी आमजन को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराना एवं उनको प्राप्त निरूशुल्क कानूनी सेवाओं व केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराना था। शिविर का शुभारम्भ श्रीमती अल्पना, जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाँदा द्वारा फीता काटकर किया गया। शिविर में जिला प्रशासन की ओर से श्रीमती जे. रीभा - जिलाधिकारी बाँदा, श्रीमान पलाश बंसल - एस.पी. बाँदा, मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार, प्रधानाचार्य

रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज बाँदा, प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय श्रीमान प्रदीप कुमार एवं सदर तहसीलदार बाँदा विकास पाण्डेय के साथ समस्त सम्मानित न्यायायिक अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में जिला जज, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने लगभग 45 विभिन्न विभागों द्वारा अपनी अपनी परियोजनाओं/योजनाओं की जानकारी प्रदान किये जाने हेतु लगाए गये स्टालो का निरीक्षण किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगभग 120 लाभार्थियों को प्रमाणपत्र, चेक व विकलांग उपकरण आदि वितरित किये गये।

शिविर में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज द्वारा पुलिस की कार्यप्रणली, साइबर क्राइम, बच्चों के अधिकारों आदि पर व्यख्यान किया। उनके द्वारा 4 लाभार्थियों को हेलमेट वितरित किये गये। इस अवसर पर प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बाँदा श्रीमती अर्पिता सिंह प्रथम उपस्थित रही। न्यायालय के कर्मचारीयों में रामनरेश यादव, भारत भूषण वर्मा, जीतेन्द्र कुमार, अखिलेश कुमार, स्वामित्र श्रीवास्तव, राशिद अहमद, रहमान अली आदि उपस्थित रहे।

नंदी वादी पब्लिक स्कूल में ए आई एवं रोबोटिक्स एग्जीबिशन आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। आधुनिक युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) और रोबोटिक्स तेजी से जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती जा रही हैं। इन्हीं तकनीकों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक और दक्ष बनाने के उद्देश्य से नंदी वाणी पब्लिक स्कूल में रविवार, 22 फरवरी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं रोबोटिक्स आधारित एग्जीबिशन का आयोजन किया गया।

विद्यालय में वर्ष 2025 में रोबोटिक्स लैब की स्थापना की गई थी, जहाँ कक्षा एक से ही विद्यार्थियों को ए.आई. और रोबोटिक्स की प्रारंभिक शिक्षा दी जा रही है। एग्जीबिशन में छात्रों ने तकनीक का उपयोग करते हुए स्मार्ट रडार मैनेजमेंट, रेन डिटेक्टर वेदर मॉनिटरिंग, स्मार्ट गार्डन, डिस्टेंस मेजरमेंट डिवाइस, ब्लाइंड स्टिक तथा एंटी टैंक माइन डिटेक्टर जैसे विभिन्न उपयोगी मॉडल प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों के नवाचार और तकनीकी कौशल को अभिभावकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती ज्योति जी एवं डायरेक्टर अभिजीत कुमार ने फीता काटकर किया। तत्पश्चात मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गयी। विद्यालय के साइंस एवं रोबोटिक्स शिक्षक आलोक, विवेक, निधि, गौरव, रेहान, बंशी एवं अरुण के मार्गदर्शन में छात्रों ने अपने मॉडल तैयार किए। प्रधानाचार्य ललित चौरसिया सहित समस्त शिक्षकों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभिभावकों ने विद्यालय के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

खाटू श्याम मंडल ने किया मां पीतांबरा की शोभायात्रा का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। रविवार को शहर में मां पीतांबरा माई जी की तीसरे वर्षगांठ पर शहर में शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यह शोभायात्रा शहर के रामलीला मैदान चौक बाजार गूलर नाका अलीगंज चौकी कालु कुआं मंडी समिति से मुख्य मार्गो से होकर गुजरी और इसमें मां पीतांबरा की प्रतिमा को सजाए गए रथ पर विराजमान किया गया था। श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ शोभायात्रा में भाग लिया और मां पीतांबरा की पूजा-अर्चना की। इससे पहले मां पीतांबरा खाटूश्यामजी सरकार की आरती वंदना रामलीला मैदान में की गई भक्तों द्वारा जगह जगह जलपान वितरण स्टाल लगाकर भक्तों को जलपान कराया गया। इस अवसर पर शहर में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी ध्यान

रखा गया था, जिसमें पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

कार्यक्रम के आयोजक रामबहोरी पप्पू शिवहरे ने बताया कि मां पीतांबरा की शोभायात्रा एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जो शहर के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है। यह आयोजन शहर की एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है और लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी नगरपालिका अध्यक्ष मालती बासु राकेश गुप्ता सुधीर तिवारी अमित रवि शिवहरे वीरेंद्र गुप्ता राजपाडे नीलम गुप्ता मनोज जैन राजकुमार राज प्रकाश साहु मनोज शिवहरे प्राति पांडे मोंटू चंद्रमोहन बेदी प्रभा गुप्ता,संगीता शिवहरे रुबी आदि मौजूद रहे।

भव्य श्रीमद्भागवत कथा का हुआ समापन

नरैनी/बांदा। भव्य श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर मंडलेश्वर गिरी महाराज ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया।ग्रामीणों ने महराज जी का आभार जताया।ग्राम पचोखर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा एवं दुर्गा सप्तशती पाठ का समापन हवन-भंडारे के साथ हुआ। समापन कार्यक्रम में मध्यप्रदेश ग्वालियर के करहिया ग्राम स्थित भोलेश्वर धाम के मंडलेश्वर गिरी महाराज ने नवयुवकों द्वारा गांव में कार्यक्रम की उन्होंने खुलकर प्रशंसा की। मंडलेश्वर गिरी महाराज ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मंदिर निर्माण के लिए 11 लाख रुपये का सहयोग देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त मंदिर के लिए भूमि खरीदने हेतु अलग से 5 लाख रुपये देने की बात भी कही। कुल मिलाकर उन्होंने 16 लाख रुपये की उदार सहायता का ऐलान किया, जिससे उपस्थित जनसमूह ने खुशी व्यक्त की।शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के विवाद के संबंध में जब मंडलेश्वर से उनका मत पूछा गया, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, षशंकराचार्य जी देश के एक प्रतिष्ठित संत हैं। यदि उन्हें कोई कमी नजर आई होगी तो उन्होंने बोला होगा, लेकिन हम इस पर कुछ नहीं कह सकते।ष उन्होंने संयम और सम्मानपूर्ण रवैया अपनाते हुए विवाद से दूरी बनाए रखी।मंडलेश्वर गिरी महाराज ने भावुक होकर कहा कि उनका यह पूर्व जन्म का शरीर इसी क्षेत्र से जुड़ा हुआ है और उन्हें यहां से गहरा लगाव है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जब-जब युवा ऐसे सनातनी कार्यक्रम आयोजित करेंगे और उन्हें आमंत्रित करेंगे, वे जरूर आएंगे। उन्होंने युवाओं को सनातन मूल्यों के प्रचार में सक्रिय रहने की प्रेरणा भी दी।

संत निरंकारी मिशन के सेवादारों द्वारा केन नदी आरती घाट में चलाया गया सफाई अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- निरंकारी मिशन का सेवा और समर्पण से सशक्त जल संरक्षण का प्रेरक संकल्प

बांदा। रविवार को श्प्रोजेक्ट अमृतश कार्यक्रम के तहत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन परियोजना को साकार रूप देने के लिए श्केन नदी आरती घाटश को स्वच्छ करने का कार्य प्रातः 7 बजे से 11 बजे तक संत निरंकारी मिशन के सैकड़ों सेवादारों व श्रद्धालुओं द्वारा क्षेत्रीय संचालक डॉ सुरेश सिंह जी के मार्गदर्शन में किया गया। सफाई स्थल पर ही संत निरंकारी मिशन के उप प्रधान डॉ दर्शन सिंह जी की अध्यक्षता में एक विशाल सत्संग का आयोजन भी किया गया एवं सत्संग समाप्ति के बाद प्रसाद वितरित किया गया। सफाई अभियान एवं सत्संग कार्यक्रम बांदा जोन के सभी शाखाओं में भी किया गया।

जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जीवन की आधारशिला और मानव सभ्यता की जीवनरेखा। जब यह जल स्वच्छ और संरक्षित रहता है, तो केवल पर्यावरण ही नहीं, समाज का सामूहिक स्वास्थ्य और संतुलन भी सुदृढ़ होता है। इसी विचार को साकार रूप देते हुए प्राकृतिक जल स्रोतों, नदियों, तालाबों, झीलों और समुद्री तटों की निस्वार्थ भाव से स्वच्छता एवं संरक्षण का व्यापक अभियान आज जन-जन के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। यह पहल केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जागरूकता, जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता का सशक्त संदेश है।

'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के चौथे चरण का भव्य एवं प्रेरणास्पद आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के मार्गदर्शन में भारतवर्ष के 25 राज्यों, केन्द्रशासित प्रदेश के 930 शहरों के 1600 से अधिक स्थानों पर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ, जिसमें लगभग 12 लाख स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। यह केवल एक पर्यावरणीय प्रयास नहीं, बल्कि अध्यात्म, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्भुत समन्वय था, जो जन-जन के अंतर्मन को स्पर्श करते हुए जागरूकता एवं कर्तव्यबोध की भावना को और अधिक सुदृढ़ बनाता है।

संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चौरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में, बाबा हरदेव सिंह जी की अनेक शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए इस 'प्रोजेक्ट अमृत' का आयोजन किया गया। यह परियोजना मानवता को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण संतुलन के प्रति सामूहिक संकल्प का संदेश देती है।दिल्ली के बुराड़ी चौक ग्राउंड न0.8 में आयोजित विशेष सत्संग कार्यक्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने अपने अमृतमय प्रवचनों में फरमाया कि बाबा जी की शिक्षाएँ केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में उतारने के लिए हैं। सतगुरु माता जी ने कहा कि सच्ची श्रद्धांजलि शब्दों से नहीं, बल्कि कर्मों से दी जाती है। यदि हम स्वयं को उनके अनुयायी कहते हैं, तो हमें आत्ममंथन करना होगा कि क्या हम वास्तव में प्रेम, सेवा, करुणा और समदृष्टि जैसे मानवीय गुणों को अपने जीवन में धारण कर रहे हैं। बाबा हरदेव सिंह जी महाराज का सम्पूर्ण जीवन मानव कल्याण को समर्पित रहा। उन्होंने सिखाया कि सेवा, सुमिरन और सत्संग जीवन का आधार हैं। भक्ति केवल वाणी तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार में झलके - यही उनका स्पष्ट संदेश था। इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए मिशन द्वारा ल्लसंत निरंकारी हेल्थ सिटीङ्क जैसी मानवीय सेवा परियोजनाओं को विकसित किया जा रहा है। यह पहल केवल स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि करुणा और समर्पण का जीवंत उदाहरण है। जिस प्रकार ब्रह्मज्ञान आत्मा को शांति प्रदान करता है, उसी प्रकार यह स्वास्थ्य सेवा समाज के प्रत्येक वर्ग को शारीरिक राहत और सशक्त जीवन प्रदान करने का माध्यम बनेगी।

मन की बात में सेवा, नवाचार और कर्त्तव्यपथ पर आगे बढ़ने की मिलती है प्रेरणा

बाँदा। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ऐतिहासिक एवं लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 131 वें एपिसोड को पूरे जनपद के सभी 1518 बूथों में सामूहिक रूप से सुना गया स सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने अपने खुरहंड स्थित आवास पर , जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद ने अपने इंदिरा नगर बाँदा स्थित आवास पर , जिलाध्यक्ष भाजपा कल्लू सिंह राजपूत ने बाकर गंज बाँदा स्थित आवास पर तथा निवर्तमान जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने अतर्रा मण्डल के बूथ संख्या 191 में मोदी जी के मन की बात का श्रवण किया स जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा साझा किये गए उदाहरण हमें सेवा, नवाचार और कर्त्तव्यपथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इन संदेशों को अपने जीवन में उतारकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करना है स मोदी जी का यह प्रेरणादायी कार्यक्रम देशवासियों में नई ऊर्जा , सकारात्मक सोच और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का भाव जाग्रत कर्ता है।

संक्षिप्त समाचार

खिचड़ी खाने से 9 लोग हुए बीमार, अस्पताल में भर्ती

उन्नाव। जिले के नदौली थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते शुक्रवार को खिचड़ी खाने के बाद 9 लोग फूड प्वाइजनिंग के शिकार हो गए। परिवार के सभी सदस्य एक साथ बीमार हो गए, जिनमें बच्चों से लेकर वृद्ध तक शामिल हैं। इलाज के लिए उन्हें पहले जिला अस्पताल और बाद में गंभीर स्थिति में उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। बीमार होने वालों में परिवार के 9 सदस्य शामिल- गांव के राज पाल (55), रानी (55), जय (8), शानू, आरती, सरिता, दीपाली (9) सहित अन्य दो लोग शामिल हैं। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार को घर में बनी खिचड़ी खाने के बाद कुछ ही घंटों में सभी को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की समस्या शुरू हो गई। तबियत बिगड़ती देख उन्हें तुरंत जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने शुरूआती उपचार दिया, लेकिन कुछ मरीजों की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद सभी को उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया।

उन्नाव में आयोजित हुई ''कार पीस रैली''

उन्नाव। ऑल रोटरी क्लब ऑफ उन्नाव द्वारा आयोजित ''कार पीस रैली'' की बैठक में सदर विधायक पंकज गुप्ता मुख्य रूप से सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से की गई, जिसके बाद सदर विधायक पंकज गुप्ता को आयोजकों द्वारा टोपी, माला पहनाकर और बुक भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि इस रैली का आयोजन शान्ति, सद्भावना, भाईचारे और सामुदायिक विकास एवं एकता का संदेश देने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं और हमें अपने समाज की प्रगति के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने इस अवसर पर रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के आयोजन में रोटरी क्लब के सदस्य और अन्य प्रतिष्ठित लोग उपस्थित थे।

सदर विधायक और भाजपा नेताओं ने सुना प्रधानमंत्री का मन की बात का 131वां एपिसोड

उन्नाव। उन्नाव सदर विधानसभा क्षेत्र के बूथ सं0 312, सम्भर खेड़ा स्थित कुंवर बहादुर के आवास पर आज आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विश्व विख्यात रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 131वें एपिसोड को सुनने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता, जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, मंडल अध्यक्ष सर्वेश लोधी और बड़ी संख्या में आम जनमानस ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 131वें एपिसोड में समाज में बढ़ रही धोखाधड़ी और ठगी की घटनाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कई बार यह सुनने को मिलता है कि वरिष्ठ नागरिकों की जीवनभर की कमाई ठग ली जाती है। कभी-कभी वे पैसे भी धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं, जो उन्होंने अपने बच्चों की फीस के लिए बचाए थे। इसके अलावा, कारोबारियों से धोखाधड़ी और अन्य ऐसी घटनाओं के बारे में भी खबरें आती रहती हैं। प्रधानमंत्री जी ने उदाहरण देते हुए बताया कि कुछ लोग फोन करके यह दावा करते हैं कि वे बड़े अधिकारी हैं और आपको कुछ जानकारी साझा करनी होगी, जिसके बाद भोले-भाले लोग इस धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं।

सपा कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक मनाई मौलाना अबुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि

बांगरमऊ-उन्नाव। समाजवादी पार्टी के जिला सचिव सलीमुर्रहमान के नेतृत्व में नगर के एक गेस्टहाउस में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सलीमुर्रहमान ने कहा कि मौलाना आजाद देश की आजादी के महान योद्धा, प्रखर शिक्षाविद और दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने देश में शिक्षा के प्रसार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया और आधुनिक भारत की शिक्षा व्यवस्था की मजबूत नींव रखी।

आयोजित हुआ विशाल ''मेगा विधिक सहायता एवं सेवा शिविर''

- जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता अभियान, सैकड़ों को मिली निःशुल्क कानूनी सलाह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। अरोरा रिसोर्ट लॉन-2 में माननीय जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा-क्र की गरिमामयी उपस्थिति में विशाल ''मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर'' का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के तत्वावधान में किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसे जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा-क्र ने किया। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय , पी.ओ. पी.एल.ए., पी.ओ. एम.ए.सी.टी., अपर जिलाधिकारी (इक्ख्र), पुलिस अधीक्षक (ट्टघ), सी0एम0ओ0, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महामंत्री समेत अन्य न्यायिक अधिकारीगण और प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्याय तक पहुँचाने की प्राथमिकता

अपने संबोधन में जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा-क्र ने विधिक साक्षरता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि न्याय प्रणाली का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सुलभ और सस्ता न्याय पहुँचाना है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (क्ख्रट्टइ) के माध्यम से वंचित और निर्धन वर्गों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना संवैधानिक अनिवार्यता है।

सैकड़ों लाभार्थियों को मिली निःशुल्क सेवाएँ

इस मेगा शिविर में राजस्व, स्वास्थ्य, कृषि, समाज कल्याण, श्रम विभाग सहित लगभग 40 से अधिक सरकारी विभागों ने अपने स्टॉल लगाए। शिविर में न्यायिक अधिकारियों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा सैकड़ों आवेदकों को निःशुल्क कानूनी सलाह दी गई।

साथ ही, शिविर के दौरान पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। इनमें पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड, सिलाई मशीन, दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण (जैसे ट्राई-साइकिल, स्टिक), मत्स्य पलक कल्याण कोष अंतर्गत मोपेड, खेल विभाग द्वारा खेल सामग्री, मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना, और कन्या विवाह सहायता योजना के तहत धनराशि का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक दवाएं वितरित कीं।

विधिक जागरूकता पर व्याख्यान

इस शिविर के दौरान विधिक जागरूकता से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान भी दिए गए: पूनम द्वितीय (अपर जिला जज, परिवार न्यायालय कोर्ट संख्या 2) ने पारिवारिक विवादों जैसे तलाक, बच्चों की कस्टडी, भरण-पोषण (maintenance) और संपत्ति के मामलों के समाधान के बारे में बताया। विवेकानन्द विश्वकर्मा (अपर जिला जज, पी.सी.एस.ओ. एक्ट) ने पॉक्सो एक्ट 2012 के तहत बालकों के संरक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्तिक सिंह (एल.ए.डी.सी.) ने बीएनएस के तीन नए कानूनों की जानकारी दी। पूर्णिमा सिंह (जिला श्रम विभाग, उन्नाव) ने श्रम कानूनों और औद्योगिक संबंधों की जानकारी दी।

अवधेश कुमार (जिला प्रोबेशन, उन्नाव) ने विभाग के कार्यों के बारे में बताया। प्रकाश पाण्डेय (जिला समाज कल्याण, उन्नाव) ने समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की जानकारी दी।

अविनाश चौधरी (तहसील सदर) ने राजस्व कानूनों पर व्याख्यान दिया।

न्याय तक पहुँचने का आह्वान

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा-क्र ने कहा, ''न्याय केवल अदालतों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे आम आदमी के दरवाजे तक पहुँचाना हमारा प्राथमिक लक्ष्य है।'' उन्होंने उपस्थित जनमानस से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें और मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का समाधान करें। उन्होंने निःशुल्क विधिक सहायता के लिए 15100 हेल्पलाइन और आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत (14 मार्च 2026) में अपने मामलों को निपटाने का भी आह्वान किया।

महिलाओं और बच्चों की सक्रिय भागीदारी

इस शिविर में आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षिकाएँ, महिलाएँ, बच्चे और अन्य स्थानीय लोग शामिल हुए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उन्नाव और जनपद न्यायालय के कर्मचारीगण, पैनल अधिवक्ता, मध्यस्थ और स्वयंसेवक भी इस आयोजन में उपस्थित रहे।

यह मेगा शिविर उन्नाव जिले में विधिक जागरूकता और निःशुल्क कानूनी सहायता के प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

विशेष अभियान में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल का औचक निरीक्षण, बूथ पर परखी हकीकत

- मतदान स्थलों का लिया जायजा बीएलओ को दिए स्पष्ट निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान ने रविवार को जिलेभर में गति पकड़ी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आयोजित विशेष अभियान दिवस में मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने स्वयं विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की पड़ताल की। डीएम ने ईआरओ/एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह के साथ प्राथमिक विद्यालय ईदगाह (भाग संख्या 205-209) एवं संविलियन विद्यालय छाउछ (भाग संख्या 19-25) का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ हेल्प डेस्क पर पहुंचकर फॉर्म-6 एवं फॉर्म-8 की प्राप्ति, संलग्न अभिलेखों और निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके किसी भी पात्र युवा का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। प्रत्येक आवेदन की मौके पर जांच कर आवेदकों को सही मार्गदर्शन देने तथा अनावश्यक चक्कर से बचाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने डोर-टू-डोर संपर्क, व्यापक जागरूकता और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने नागरिकों को जानकारी दी कि नया नाम जोड़ने हेतु फॉर्म-6 तथा त्रुटि सुधार के लिए फॉर्म-8 भरा जा सकता है। आवेदन बीएलओ को सीधे दिया जा सकता है या voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है। सहायता के लिए मतदाता हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क करने की अपील भी की गई।

ईआरओ रहे भ्रमणशील, पात्र मतदाताओं को जोड़ने पर जोर

डीएम के निर्देश पर जनपद के सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विशेष अभियान तिथि पर विभिन्न बूथों का भ्रमण करते रहे। अधिकारियों ने बीएलओ से प्रगति रिपोर्ट ली और निर्देशित किया कि अभियान अवधि में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल कराने के लिए अधिकतम जागरूकता एवं सक्रियता बरती जाए, ताकि कोई भी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

छोटी काशी में मिलावटी दूध का कारोबार, अवैध डेयरियों पर उठे सवाल

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील मुख्यालय गोला गोकर्णनाथ में इन दिनों दूध की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नगर के विभिन्न मोहल्लों और मुख्य मार्गों पर संचालित कई डेयरियों में मिलावटी एवं सिंथेटिक दूध बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ डेयरियां बिना मानक लाइसेंस और निर्धारित गुणवत्ता जांच के ही संचालन कर रही हैं, जिससे आमजन की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। सूत्रों के मुताबिक, कथित रूप से कुछ स्थानों पर दूध में रासायनिक पदार्थों की मिलावट की जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन नागरिकों का कहना है कि देखने में गाढ़ा और सफ़ेद दिखने वाला दूध गुणवत्ता की कसौटी पर खरा नहीं उतर रहा। चिकित्सकों का मानना है कि यदि दूध में किसी भी प्रकार की मिलावट हो, तो उसका नियमित सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए। नगरवासियों ने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग द्वारा नियमित सैंपलिंग और निरीक्षण की पर्याप्त कार्रवाई नहीं की जा रही है।

रौतापुर में 'हर घर जल' योजना अधर में, अधूरी पड़ी पेयजल टंकी से ग्रामीणों में आक्रोश

- जलापूर्ति ठप, प्रशासन से शीघ्र निर्माण पूर्ण कराने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

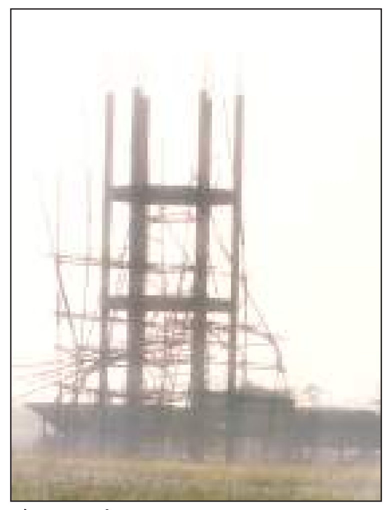

मितौली खीरी। विकास खंड मितौली की ग्राम पंचायत रौतापुर में केंद्र व प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर जल' योजना के तहत संचालित जल जीवन मिशन की पेयजल परियोजना अधूरी पड़ी होने से ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। लाखों रुपये की लागत से निर्माणाधीन ओवरहेड पानी की टंकी कई महीनों से अपूर्ण स्थिति में है, जिससे गांव में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार योजना का उद्देश्य प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना था। प्रारंभ में निर्माण कार्य तेज गति से शुरू हुआ, लेकिन बाद में काम की रफ्तार धीमी पड़ गई और अब टंकी का ढांचा तैयार होने के बावजूद पाइपलाइन बिछाने, मोटर संयोजन और जलापूर्ति से जुड़े आवश्यक कार्य अधूरे पड़े हैं। इस कारण अधिकांश घरों तक नल से पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। ग्रामीणों को हैंडपंप, निजी बोरिंग या दूरस्थ जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। विशेष रूप से महिलाओं और बुजुर्गों को दैनिक उपयोग के लिए पानी जुटाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण और निगरानी न होने से निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है। उनका कहना है कि यदि समय-समय पर गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की जाती, तो यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। ग्रामीणों ने परियोजना में देरी की जांच कर जिम्मेदार ठेकेदार व संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर अधूरी पड़ी टंकी का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने और गांव में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि समस्या का समाधान न होने पर वे उच्चाधिकारियों से शिकायत एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष विरोध दर्ज कराने को बाध्य होंगे।

भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की समीक्षा बैठक आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- संगठन विस्तार व किसानों की समस्याओं के समाधान पर जोर

लखीमपुर खीरी। जनपद के गोला गोकर्णनाथ स्थित पंजाबी कॉलोनी कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, विस्तार और किसानों की जमीनी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष कुलवंत सिंह जोशन ने पदाधिकारियों से आह्वान किया कि संगठन गांव-गांव तक पहुंचकर किसानों की समस्याओं को सुने और उनके समाधान के लिए प्रभावी पहल करे। उन्होंने कहा कि समय पर गन्ना भुगतान न मिलने से किसान आर्थिक संकट का सामना करता है, जिससे उसकी पारिवारिक और कृषि व्यवस्था प्रभावित होती है। ऐसे में संगठन का दायित्व है कि किसानों की आवाज को मजबूती से उठाते हुए समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में संगठन को मजबूत करने, नए सदस्यों को जोड़ने और ग्रामीण स्तर पर सक्रियता बढ़ाने को लेकर भी गहन मंथन हुआ। इस अवसर पर सभी तहसील अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

गोला गोकर्णनाथ में शिवोत्सव फीका, अव्यवस्थाओं ने बिगाड़ा माहौल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पालकी यात्रा में अपेक्षा से कम भीड़, भजन संध्या को लेकर उत्साह सीमित

अज़ान खीरी। छोटी काशी' के नाम से प्रसिद्ध गोला गोकर्णनाथ नगर में आयोजित शिवोत्सव कार्यक्रम इस बार अपेक्षित उत्साह नहीं जुटा सका। नीलकंठ मैदान से निकली पालकी यात्रा में श्रद्धालुओं की संख्या उम्मीद से कम रही और कई स्थानों पर व्यवस्थाएं भी संतोषजनक नहीं दिखीं।

पालकी यात्रा निर्धारित समय से विलंब से प्रारंभ हुई, जिससे श्रद्धालुओं को प्रतीक्षा करनी पड़ी। मार्ग में यातायात व्यवस्था भी पूरी तरह सुचारु नहीं रह सकी।

कुछ स्थानों पर ध्वनि व्यवस्था और समन्वय की कमी साफ नजर आई, जिससे आयोजन की भव्यता प्रभावित हुई। शाम को प्रस्तावित भजन संध्या को लेकर भी लोगों में सीमित उत्साह देखा गया। हालांकि प्रसिद्ध भजन गायक हेमंत बृजवासी की प्रस्तुति प्रस्तावित है, लेकिन प्रचार-प्रसार की कमी के चलते अपेक्षित भीड़ जुटने को लेकर संशय बना हुआ है। सबसे बड़ी समस्या तीर्थ परिसर में पेयजल व्यवस्था को लेकर सामने आई। श्रद्धालुओं ने पानी की अपर्याप्त व्यवस्था पर नाराजगी जताई। कुछ स्थानों पर अस्थायी टंकियां खाली मिलीं, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतने बड़े धार्मिक आयोजन में मूलभूत सुविधाओं की पुख्ता व्यवस्था होनी चाहिए थी। उन्होंने आयोजकों और प्रशासन से भविष्य में बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि श्रद्धालुओं की आस्था और सुविधा दोनों बनी रहें।

रमजान व होलिकोत्सव को लेकर गोला नगर में पुलिस की पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

गोला गोकर्णनाथ खीरी। आगामी रमजान और होलिकोत्सव के त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से गोला नगर में पुलिस प्रशासन ने व्यापक पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक खीरी डॉ. ख्याति गर्ग के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक गोला अंबर सिंह तथा भारी पुलिस बल के साथ नगर के प्रमुख क्षेत्रों में पैदल मार्च किया गया। गश्त के दौरान बड़ा चौराहा, मोहम्मदी रोड, सर्राफा मार्केट, विकास चौराहा, सब्जी मंडी, मिल रोड, अंबेडकर तिराहा, शिवम चौराहा, रेलवे स्टेशन व रोडवेज बस अड्डा सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन चेकिंग भी की गई। क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी ने बताया कि रमजान व होलिकोत्सव के मद्देनजर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। त्योहारों के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए लगातार गश्त और निगरानी की जा रही है। उन्होंने नगरवासियों से भी आपसी भाईचारा बनाए रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

नशा मुक्त खेल अभियान के तहत शांति मिल मैदान में अंतरराष्ट्रीय कुश्ती दंगल

बांगरमऊ-उन्नाव। नशा मुक्त खेल अभियान के अंतर्गत नगर के शांति मिल मैदान में 10 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कुश्ती दंगल का भव्य शुभारंभ हुआ। 18 से 28 फरवरी तक चलने वाले इस दंगल में भारत, नेपाल व भूटान के नामी पहलवान अपने दांव-पेंच का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता को देखने के लिए नगर एवं क्षेत्र से हजारों खेल प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे मैदान में मेले जैसा माहौल नजर आया। दंगल का शुभारंभ विधायक श्रीकांत कटियार ने पहलवानों से परिचय प्राप्त कर किया। विभिन्न भार वर्गों में आयोजित मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। बाबा अजमेरी (अजमेर शरीफ) और विष्णु पहलवान (हिमाचल प्रदेश) ने शानदार दांव-पेंच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कई मुकाबले अंतिम क्षण तक संघर्षपूर्ण रहे, जिससे दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। दंगल का सबसे चर्चित मुकाबला नेपाल के मशहूर पहलवान पंडित थापा और इलाहाबाद के पहलवान बड़ादेव के बीच रहा। पंडित थापा ने अखाड़े में खुली चुनौती दी, जिसे बड़ादेव ने स्वीकार किया। मुकाबला शुरू होते ही पंडित थापा ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए मात्र 2 मिनट में बड़ादेव को चित कर दिया, जिससे दर्शक रोमांचित हो उठे।

कंपोजिट विद्यालय मुस्तफाबाद में मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता शिविर

बांगरमऊ-उन्नाव। क्षेत्र के ग्राम मुस्तफाबाद स्थित कंपोजिट विद्यालय में छात्राओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रसिद्ध जनरल फिजिशियन डॉ. प्रिया सिंह रहीं। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, ङ्खमासिक धर्म स्वच्छता कोई विलासिता नहीं, बल्कि हर महिला और किशोरी का मौलिक अधिकार है। डॉ. सिंह ने बताया कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आज भी मासिक धर्म को लेकर अनेक भ्रांतियां और सामाजिक वर्जनाएं प्रचलित हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे इस विषय पर चुप्पी तोड़ें और किसी भी समस्या होने पर खुलकर चर्चा करें। संक्रमण से बचाव के लिए साफ-सुथरे सैनिटरी पैड का उपयोग करने और हर 4 से 6 घंटे में बदलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म के दौरान शरीर में आयरन की कमी हो सकती है, इसलिए हरी सब्जियां, फल और पौष्टिक आहार का सेवन जरूरी है। साथ ही, उन्होंने पारंपरिक मिथकों को वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर खारिज करते हुए बताया कि इस दौरान सामान्य दिनचर्या अपनाई जा सकती है। उपयोग किए गए पैड्स के सुरक्षित निस्तारण के तरीकों की भी जानकारी दी गई।

एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

बांदा। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय बाँदा के राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा सबीहा रहमानी, डा जयंती सिंह, डा नीतू सिंह के नेतृत्व में सात दिवसीय शिविर (20-26 फरवरी 2026) जो नगर की पिछड़ी व दलित बस्ती बारी मोहाल, दरी मोहाल और अहीर मोहल्ले में लगाया गया है, इस शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवी शिवरार्थी छात्रों ने बस्ती में जाकर सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाया । आज का विषय है,स्वस्थ पोषण का महत्व, रक्ताल्पता सेहत एवं स्वच्छता, अन्न का महत्व, साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल साक्षरता। एन एस एस की छात्राओं ने प्रश्नों और संवाद के माध्यम से बस्ती के घरों में महिलाओं और बालिकाओं से सर्वेक्षण किया । शिवरार्थी स्वयंसेवी छात्राओं के सर्वेक्षण से यह बात सामने आयी कि क़रीब 65 प्रतिशत घरों में स्वच्छता की समस्याएं व किसी न किसी बीमारी से ग्रसित हैं। द्वितीय सत्र में शिविर के विश्राम स्थल पर उपर्युक्त विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया । मुख्य वक्ता के रुप में डा.मोनिका, विशिष्ट वक्ता डा. माया वर्मा उपस्थित रहे।

उप जिलाधिकारी गोला ने किया मतदाता सूची का निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विशेष अभियान दिवस के अवसर पर 139 विधानसभा गोला क्षेत्र में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण करते हुए उप जिलाधिकारी गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी ने विभिन्न मतदान स्थलों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने पब्लिक इंटर कॉलेज, लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज तथा कृषक समाज इंटर कॉलेज स्थित पोलिंग बूथों का गहन निरीक्षण किया। बूथों पर तैनात बीएलओ से मतदाता सूची के अद्यतन कार्य की प्रगति की जानकारी ली। उप जिलाधिकारी ने बीएलओ को निर्देशित किया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अधिक से अधिक युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएं। साथ ही पात्र मतदाताओं का नाम छूटने न पाए, इसके लिए घर-घर संपर्क कर

जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना आवश्यक है। अभियान को गंभीरता से संचालित करते हुए निर्धारित समयावधि में लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

आखिर होटल संचालक के खिलाफ कब होंगी कार्यवाही

बाँदा। अतर्रा कस्बे मे बीते दिनों स्टेशन रोड स्थित राधे राधे लॉज मे एक नाबालिक लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म कि घटना हुई थी।घटना होने के बाद किशोरी के पिता कि तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म कि घटना होने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को जेल भेज दिया था तथा एक आरोपी नाबालिक होने के कारण उसको चित्रकूट के बाल सुधार गृह भेज दिया गया था। लेकिन सबसे बड़ा सवाल अब यह उठा रहा है कि जिस राधे राधे होटल मे इस तरह कि घटना हुई थी।उसने किसी भी तरह कि कायदे, कानून और नियमो का पालन नहीं किया।उस होटल और उसके संचालक के खिलाफ अभी तक कार्यवाही क्यों नहीं हुई। होटल संचालक के ऊपर जो आरोप लग रहे है कि उसके द्वारा बिना किसी पहचान पत्र के होटल का कमरा क्यों दिया गया। अगर पहचान पत्र लिया गया तो नाबालिकों को कमरा कैसे दे दिया गया।

शिवोत्सव मनाना विधायक की अच्छी पहल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- लेकिन क्षेत्रीय विकास को लेकर उठ रहे सवाल

गोला गोकर्णनाथ खीरी। 22 फरवरी को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शिव कॉरिडोर के शिलान्यास के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गोला विधायक अमन गिरी ने 'छोटी काशी शिवोत्सव' के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर नगर में पालकी यात्रा निकाली गई तथा शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसकी नगर में व्यापक चर्चा रही। नगर के अधिकांश नागरिकों ने शिवोत्सव आयोजन को सराहनीय पहल बताया और धार्मिक आस्था से जुड़े इस आयोजन का स्वागत किया। हालांकि, दूसरी ओर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार को लेकर लोगों में असंतोष भी देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक आयोजन अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन साथ ही क्षेत्र में सड़क, जलनिकासी, रोजगार और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर भी ठोस कार्य होना चाहिए। नागरिकों का मत है कि यदि शिवोत्सव जैसे आयोजनों के साथ-साथ विकास कार्यों को भी गति मिलती तो जनभावनाएं और अधिक सकारात्मक होतीं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह चर्चा भी है कि विधायक को जनता से सीधे संवाद बढ़ाना चाहिए, ताकि समस्याओं का समाधान समयबद्ध तरीके से हो सके। कुछ लोगों ने पूर्व विधायक स्वर्गीय अरविंद गिरी के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वे जनसुनवाई में सक्रिय रहते थे और निर्णय स्वयं लेते थे।

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी परिदृश्य समय के साथ बदलता रहता है और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से कोई ठोस निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। फिलहाल क्षेत्र में शिवोत्सव की सराहना के साथ-साथ विकास को लेकर अपेक्षाएं भी खुलकर सामने आ रही हैं।

शिव कॉरिडोर की वर्षगांठ पर आयोजन

- लेकिन विकास कार्यों को लेकर उठे सवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला गोकर्णनाथ में शिव मंदिर कॉरिडोर की प्रथम वर्षगांठ पर आयोजित पालकी यात्रा और धार्मिक कार्यक्रम को लेकर नगर में जहां एक ओर उत्साह देखा गया, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय विकास को लेकर चर्चाएं भी तेज रहीं। कार्यक्रम का नेतृत्व विधायक अमन गिरी ने किया। ज्ञात हो कि एक वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिव कॉरिडोर परियोजना की आधारशिला रखी थी।

वर्षगांठ के अवसर पर नगर में पालकी यात्रा निकाली गई और धार्मिक आयोजन किए गए। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आस्था प्रकट की। हालांकि, कुछ स्थानीय नागरिकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं - जैसे सड़क, जलनिकासी, साफ-सफाई और रोजगार के अवसर, पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उनका कहना है कि कॉरिडोर परियोजना से नगर की पहचान अवश्य बढ़ेगी, लेकिन आमजन की दैनिक समस्याओं का समाधान भी प्राथमिकता में होना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास कार्यों की गति को लेकर चर्चा रही। लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को जनता के साथ नियमित संवाद बनाए रखते हुए लंबित समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों से सामाजिक एकजुटता को बल मिलता है, लेकिन संतुलित विकास ही जनता के विश्वास को मजबूत करता है। फिलहाल, शिव कॉरिडोर की वर्षगांठ का आयोजन चर्चा का विषय बना हुआ है और क्षेत्र में विकास को लेकर अपेक्षाएं भी खुलकर सामने आ रही हैं।

होली और रमज़ान पर्व पर खाद्य सुरक्षा के लिए विशेष अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। आगामी होली और रमज़ान पर्व को मद्देनजर रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने आम जनमानस को शुद्ध और स्वच्छ खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत जिलाधिकारी उन्नाव के आदेश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने विभिन्न स्थानों से 4 खाद्य नमूनों को नियमानुसार संग्रहित किया।

इस अभियान के तहत दो प्रमुख खोया कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पहली कार्रवाई अजनीश गुप्ता पुत्र रामकरन गुप्ता, निवासी पीताम्बर नगर 2, शिवनगर, कोयलागली उन्नाव पर की गई। इनके पास 49 किलो खोया था, जिसकी कीमत 13,720 रुपये थी। मौके पर खाद्य कारोबारकर्ता द्वारा गलत श्रेणी में लाइसेंस लेकर कारोबार किया जा रहा था। इस मामले में सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया और साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। इसके अलावा खोया की खरीद-बिक्री का विवरण रजिस्टर पर तैयार करने का आदेश दिया गया।

दूसरी कार्रवाई श्रीकांत शुक्ला पुत्र शिवचंद्र शुक्ला, निवासी क्योटा तालाब, सिविल लाइन उन्नाव पर की गई। इनके पास 22 किलो खोया था, जिसकी कीमत 6,600 रुपये थी। इनके द्वारा भी गलत श्रेणी में लाइसेंस लेकर कारोबार किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के उल्लंघन पर इन्हें भी नोटिस प्राप्त कराया गया और सुधार के निर्देश दिए गए। कुल मिलाकर 71 किलो खोया, जिसकी कीमत 20,320 रुपये है, खाद्य सुरक्षा विभाग ने नमूने के रूप में संग्रहित किया। इन नमूनों को प्रयोगशाला में भेजा गया है, जहां उनका विश्लेषण किया जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिम्बाब्वे के दृढ़ संकल्प के सामने होगी वेस्टइंडीज के आत्मविश्वास की परीक्षा

एजेंसी

मुंबई। बेहद आत्मविश्वास से भरी वेस्टइंडीज की टीम को सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में जिम्बाब्वे के दृढ़ संकल्प से सतर्क रहना होगा। यह दोनों टीम टूर्नामेंट में अभी तक अजेय रही है और वे यह सिलसिला जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगी। वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे दोनों ने पहले दौर में अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन काम अभी खत्म नहीं हुआ है क्योंकि आगे और भी कड़ी चुनौतियां उनका इंतजार कर रही हैं। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के आत्मविश्वास की यह उस प्रारूप में कड़ी परीक्षा होगी जिसमें वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करते हैं और अपने कौशल का ऐसा

नमूना पेश करते हैं जैसा शायद ही कोई अन्य टीम कर पाती है। पूर्व चैंपियन कप्तान डेरेन सैमी की कोचिंग वाली टीम ने अभी तक एकजुट होकर प्रदर्शन किया है लेकिन उसके लिए निरंतरता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होगी। वेस्टइंडीज ने लगातार चार मैच में जीत हासिल करके यह सुनिश्चित कर लिया है कि टी20 विश्व कप से पहले सात द्विपक्षीय शृंखलाओं में मिली हार अब अतीत की बात हो गई है। कैरेबियाई टीम एक बार फिर एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। उसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार जीत हासिल की और निचले पायदान की टीमों को आसानी से हराया। कप्तान शाई होप (155 रन, दो अर्धशतक) ने अपनी फॉर्म वापस पा ली है, जबकि शिमरोन हेटमायर (134) ने नंबर तीन के बल्लेबाज की अपनी भूमिका के साथ पूरा न्याय किया है। जेसन होल्डर और रोस्टन चेज ने भी महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को मजबूती प्रदान की है। शेरफ़ेन रदरफोर्ड (126) की विस्फोटक बल्लेबाजी वेस्टइंडीज के लिए महत्वपूर्ण साबित हुई है। इसके अलावा रोमारियो शेफर्ड की ऑलराउंड क्षमता से टीम को संतुलन मिला है। वह आईपीएल में वानखेड़े में खेलने के अपने अनुभव का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर जिम्बाब्वे ने अब तक के अपने प्रेरणादायक प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में नई उम्मीद जगा दी है। उसने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराकर सभी को चौंका दिया था और अब वह यह साबित करने के लिए प्रतिबद्ध होगा कि उसकी यह जीत महज संयोग नहीं थी। जिम्बाब्वे ने सुपर आठ में जगह बनाकर अपना सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर रहा लिया है। अब उसका सामना वेस्टइंडीज के अलावा दक्षिण अफ्रीका और भारत से होगा। उसके खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प को देखते हुए अगर वह फिर से कोई उलटफ़ेर कर देता है तो उस पर किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। जिम्बाब्वे के लिए युवा ब्रायन बेनेट बल्लेबाजी में स्टार खिलाड़ी साबित हुए हैं। उन्होंने दो अर्धशतक लगाए हैं और कुल 175 रन बनाकर जिम्बाब्वे की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इस 22 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप में अभी तक एक भी छक्का नहीं लगाया है। वेस्टइंडीज इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकता है।

भारतीय टीम निरंतरता बनाए रखकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है: मंधाना

एजेंसी

एडिलेड। भारतीय महिला टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि उनकी टीम लगातार शीर्ष पर बने रहकर विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा कायम करना चाहती है।

पिछले साल पहली बार 50 ओवर का विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम की निगाहें इस साल के आखिर में होने वाले टी20 विश्व कप में जीत हासिल करने पर टिकी हैं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीन मैच की टी20 श्रृंखला में हराकर इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की अपनी तैयारी की शानदार शुरुआत की। मंधाना ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''यह भारतीय टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश कर रही है। हम अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम या अतीत में जो कुछ भी हुआ उसके बारे में नहीं सोचते हैं। हमने इसे हराया, हमने उसे हराया। मुझे लगता है कि

अब यह सब उतना महत्वपूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन की पारी खेली। उन्होंने जेमिमा रोड्रिग्स (59) के साथ 121 रन की साझेदारी की जिससे भारत छह विकेट पर 176 रन बनाने में सफल रहा। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम नौ विकेट पर 159 रन ही बना पाई। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है। कुछ ऑस्ट्रेलियाई बहुत खुश होंगे जब मैं कहूंगी कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर है। वास्तव में मुझे यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे अच्छा शहर लगता है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधाना ने कहा, ''यह साल टी20 का साल है। पिछला साल एकदिवसीय क्रिकेट का साल था जिसमें हमने बहुत सारे वनडे मैच खेले। लेकिन अब हम अपने टी20 खेल पर काम कर रहे हैं। हम यह भी तय कर रहे हैं कि टी20 के लिए हमारी सर्वश्रेष्ठ एकादश और सर्वश्रेष्ठ 15 खिलाड़ी कैसे होने चाहिए। निश्चित रूप से डब्ल्यूपीएल से हमें टी20 में बेहतर प्रदर्शन करने में बहुत मदद मिली है।

मेस्सी की मौजूदगी में एमएलएस चैंपियन इंटर मियामी को मिली पहले मैच में हार

एजेंसी

लॉस एंजिलिस। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी ने एमएलएस कप में अपने खिताब के बचाव का अभियान हार के साथ किया। इंटर मियामी को अपने पहले मैच में लॉस एंजिलिस एफसी (एलएएफसी) से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। विजेता टीम की तरफ से डेविड मार्टिनेज, डेनिस बुआंगा और नाथन ऑर्डाज़ ने गोल किए। बुआंगा ने मैच के बाद कहा, ''वह मैच हमेशा खास होता है जिसमें मेस्सी खेलते हैं। हम मेस्सी की मौजूदगी में मियामी को हराना चाहते थे। इस मैच के लिए प्रत्येक खिलाड़ी का मनोबल बढ़ा होता है। इस मैच को देखने के लिए ऐतिहासिक लॉस एंजिल्स मेमोरियल कोलिज़ियम स्टेडियम में 75,673 दर्शक उपस्थित थे। दर्शकों ने घरेलू टीम की शानदार जीत का जश्न मनाया और मेस्सी को खेलते हुए देखने का भरपूर आनंद लिया। मेस्सी ने इस महीने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के बावजूद पूरा मैच खेला।

छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेल सोमवार से गुलमर्ग में

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर का प्रसिद्ध शीतकालीन पर्यटन स्थल गुलमर्ग सोमवार से शुरू होने वाले छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों (केआईडब्ल्यूजी) की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसमें 400 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के एक प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट में होने वाले इन चार दिवसीय खेलों के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा इन खेलों का उद्घाटन करेंगे। जम्मू कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुज़हत गुल ने बताया कि पंजीकरण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। गुल ने कहा, ''इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 400 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। गुलमर्ग में अच्छी बर्फबारी हुई है और उम्मीद है कि मौसम हमारा साथ देगा। केआईडब्ल्यूजी का पहला चरण इस वर्ष 20 से 26 जनवरी तक

लद्दाख के लेह में आयोजित किया गया था। अब इन खेलों का दूसरा चरण 23 से 26 फरवरी तक गुलमर्ग में आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले भी केआईडब्ल्यूजी का आयोजन जम्मू कश्मीर और लद्दाख में किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि गुलमर्ग में चार पदक स्पर्धाएं होंगी, जिनमें स्की पर्वतारोहण, अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग (क्रॉस-कंट्री) और स्नोबोर्डिंग शामिल हैं। इनमें से अल्पाइन स्कीइंग में सबसे अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। केआईडब्ल्यूजी के लद्दाख चरण में हरियाणा ने चार स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उसके बाद लद्दाख, महाराष्ट्र और तेलंगाना का स्थान रहा। शीतकालीन खेलों के सुचारू संचालन के लिए कश्मीर के पुलिस प्रमुख वीके बर्डी की अध्यक्षता में बुधवार को तैयारियों की समीक्षा के लिए सुरक्षा बैठक हुई थी जिसमें पुलिस, सेना, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, खुफिया एजेंसियों और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया था।

संक्षिप्त समाचार

मार्च में दोहा में होगी आईसीसी बोर्ड की बैठक

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड और समितियों की बैठक 25 से 27 मार्च तक दोहा में आयोजित की जाएगी जिससे क्रिकेट में कतर की बढ़ती भागीदारी का पता चलता है। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''यह बैठकें आईसीसी बोर्ड के निदेशकों, मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, समिति के सदस्यों और सीनियर पदाधिकारियों को एक मंच पर लाएंगी, जो वैश्विक खेल के वर्तमान और भविष्य से संबंधित प्रमुख मामलों पर विचार-विमर्श करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। आईसीसी ने बताया कि 2020 से कतर में क्रिकेट में समग्र भागीदारी में 447 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आईसीसी ने कहा, ''इसका मुख्य कारण कतर ओलंपिक समिति के स्कूल ओलंपिक कार्यक्रम में क्रिकेट को शामिल करना रहा है, जिसने देश भर के स्कूलों में इस खेल को स्थापित करने में मदद की है। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा, ''हाल ही में आईसीसी के क्रियो क्रिकेट महोत्सव के शुरू होने से क्रिकेट की पहुंच और भी बढ़ गई है। पिछली बार इस महोत्सव में 287 स्कूली टीमों ने भाग लिया था और लगभग 90 प्रतिशत प्रतिभागियों ने पहली बार क्रिकेट खेला था।

कार्लोस अल्काराज़ को कतर ओपन का खिताब

दोहा। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ ने शानदार खेल का नमूना पेश करते हुए आर्थर फिल्स को केवल 50 मिनट में 6-2, 6-1 से हराकर कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। स्पेन के इस स्टार खिलाड़ी ने इस तरह से 2026 में अपनी जीत का सिलसिला 12 मैच तक पहुंचा दिया है। उन्होंने इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीता था। इस तरह से उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने यानि चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने के 20 दिन बाद कतर ओपन में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अल्काराज़ ने कहा, ''साल की शुरुआत वाकई बहुत शानदार रही है। दोहा में खिताब जीतने के साथ ही अल्काराज़ के टूर-स्तरीय खिताबों की संख्या 26 हो गई है।

ओडिशा ने अदाणी के पनिबिजली संयंत्र सहित 44,000 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं को मंजूरी दी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने 44,200 करोड़ रुपये की 10 प्रमुख औद्योगिक परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें अदाणी समूह का पंप भंडारण जलविद्युत संयंत्र और सेमीकंडक्टर चिप की एक प्रमुख इकाई शामिल है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शनिवार शाम मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय मंजूरी प्राधिकरण (एचएलसीए) की बैठक में यह मंजूरी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि इन परियोजनाओं से खुर्दा, कोरापुट, कालाहांडी, मलकानगिरी, ढेंकनाल, पुरी, नयागढ़ और देवगढ़ सहित आठ जिलों में 8,765 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि ये परियोजनाएं कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी हैं। इनमें दुर्लभ खनिजों से बनने वाले उत्पाद, सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण, सीमेंट उद्योग, वाहन और उनके कलपुर्जे बनाना, दूरसंचार की सुविधाएं और सौर-पवन जैसी नवीकरणीय ऊर्ज़ा की परियोजना शामिल हैं। मुख्यमंत्री माझी ने न केवल निवेश आकर्षित करने, बल्कि उनका समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मंजूरी मिलने के बाद काम तय समयसीमा के अंदर शुरू होकर निर्माण और उत्पादन तक पहुंचना चाहिए। हम आपसी तालमेल और बेहतर व्यवस्था के जरिये प्रणाली को मजबूत बना रहे हैं, ताकि योजनाओं को बिना किसी रुकावट के सही तरीके से लागू किया जा सके। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एएसपी सेमीकॉन को खुर्दा में 4,620 करोड़ रुपये की लागत से सेमीकंडक्टर मेमोरी चिप बनाने का संयंत्र लगाने की मंजूरी दी गई है। वहीं दुर्लभ खनिज क्षेत्र में मैग्नोवा प्राइवेट लिमिटेड को खुर्दा में 1,050 करोड़ रुपये की लागत से उच्च गुणवत्ता वाले 'मैग्नेट' बनाने वाला कारखाना स्थापित करने की अनुमति मिली है। अधिकारियों ने बताया कि वाहन और वैमानिकी क्षेत्र में भी बड़ा विकास होगा। भारत फोर्ज लिमिटेड ढेंकनाल में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश कर वैमानिकी और रक्षा उपकरणों के पुर्जे बनाने की एक नई निर्माण इकाई स्थापित करेगी। इसके अलावा, अदाणी हाइड्रो एनर्जी ट्वेल्व लिमिटेड नयागढ़ में 9,731 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। वहीं, जिंदल ग्रीन पीएसपी टू प्राइवेट लिमिटेड को देवगढ़ में 3,711 करोड़ रुपये की लागत से पंप स्टोरेज जलविद्युत संयंत्र लगाने की मंजूरी दी गई है।

बिजली की खपत बढ़ने से कोयले की मांग में तेजी आने की उम्मीद

नयी दिल्ली। देश में कोयले की मांग में आने वाले दिनों में बिजली की खपत बढ़ने के साथ तेजी आने की उम्मीद है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष में अब तक कोयले की मांग कमजोर बनी हुई है। एक विशेषज्ञ ने यह बात कही है। 'एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड' के प्रबंध निदेशक विनय वर्मा ने कहा कि अक्टूबर और नवंबर में लगातार महीनों की नेकारात्मक वृद्धि के बाद, दिसंबर में बिजली की मांग में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ मजबूत सुधार हुआ है। एमजंक्शन एक बी2बी ई-कॉमर्स मंच और सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है। वर्मा ने कहा, ''कड़ाके की सर्दी और आर्थिक गतिविधियों में सुधार की वजह से जनवरी में भी बिजली की खपत में बढ़ोतरी जारी रही, जिससे यह रफ्तार बनी रही। उन्होंने आगे कहा, ''हमारा मानना है कि इससे आने वाले दिनों में कोयले की मांग बढ़ेगी। देश का कोयला क्षेत्र एक अरब टन के उत्पादन का रिकॉर्ड बनाने के बाद अचानक मांग में कमी का सामना कर रहा है। इसके चलते बड़ी सार्वजनिक कंपनियों और नई वाणिज्यिक खनन कंपनियों के बीच अपनी विस्तार योजना को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। इन चुनौतियों के बीच एमजंक्शन 24-25 फरवरी को कोलकाता में 19वां भारतीय कोयला बाजार सम्मेलन 'कोआलोसेम: द कोल बैटलग्राउंड' का आयोजन करने जा रहा है। इस सम्मेलन के दौरान, कोयला, बिजली, सीमेंट, स्पॉन्ज आयरन, स्टील, व्यापार, एक्सचेंज और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के शीर्ष 36 दिग्गज अपने विचार रखेंगे।

घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, सोना और चांदी की कीमतों ने लगाई छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख है। सोना आज 1,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की मजबूती दर्ज की गई है। कीमत में आए इस उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,59,280 रुपये से लेकर 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,46,000 रुपये से लेकर 1,46,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 1,530 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 1,400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। चांदी के भाव में इस सप्ताह लगातार उतार-चढ़ाव होने के बावजूद साप्ताहिक आधार पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,430 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,59,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सऊदी अरब से आपूर्ति बढ़ी, प्रतिबंधों के दबाव में रूस से कच्चे तेल का आयात घटा: रिपोर्ट

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत की कच्चे तेल की आयात रणनीति अब एक नए बदलाव के दौर में प्रवेश कर रही है। आयातित खेप के आंकड़े और विश्लेषक बताते हैं कि सऊदी अरब के नेतृत्व में पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ता अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल कर रहे हैं। वहीं, रूसी तेल की आवक अब भी महत्वपूर्ण बनी हुई है, लेकिन भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के चलते इसमें कमी आ रही है। रूस से होने वाली आपूर्ति में कमी आने के कारण एक से 18 फरवरी के दौरान भारत का कुल कच्चा तेल आयात गिरकर औसतन 48.5 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) रह गया। यह जनवरी के 5.25 लाख बीपीडी के मुकाबले आठ प्रतिशत कम है। पिछले महीने प्रमुख रूसी निर्यातकों पर अमेरिकी प्रतिबंधों और यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज के प्रभावी होने के बाद वहां से आने वाले तेल के प्रवाह में यह गिरावट देखी गई है। जहाजों की आवाजाही के निगरानी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत को होने वाली रूसी आपूर्ति दिसंबर, 2025 के 12.8 लाख बीपीडी से घटकर जनवरी में 12.2 लाख बीपीडी रह गई और फरवरी की शुरुआत में यह लगभग 10 प्रतिशत और घटकर 10.9 लाख बीपीडी पर आ गई। वैश्विक जिंस आंकड़े विश्लेषक कंपनी 'केपलर' के मुख्य शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, फरवरी में भारत का रूसी कच्चा तेल आयात लगभग 10-12 लाख बीपीडी रहने का अनुमान है, जिसके मार्च में घटकर करीब 8-10 लाख बीपीडी तक आने की संभावना है। वर्ष 2022 में यूक्रेन युद्ध के बाद भारी छूट पर मिलने के कारण भारत ने रूसी तेल की खरीद बड़े पैमाने पर शुरू की थी, लेकिन अब यह आवक बढ़ने के बजाय स्थिर होती दिख रही है।

बायोगैस मिश्रण पर उत्पाद शुल्क छूट से एक लाख करोड़ रुपये का निवेश संभव: आईबीए

नयी दिल्ली। संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) में मिलाई जाने वाली बायो-गैस पर प्रस्तावित उत्पाद शुल्क छूट और एक स्पष्ट नीतिगत दिशा से देश में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने में मदद मिल सकती है।

इंडियन बायो-गैस एसोसिएशन (आईबीए) ने रविवार को यह बात कही। आईबीए ने बयान में कहा कि सरकार ने हाल ही में घोषित आम बजट 2026-27 में सीएनजी के साथ मिश्रित संपीडित बायो-गैस (सीबीजी) पर उत्पाद शुल्क में छूट प्रदान की है। यह 2070 तक 'शुद्ध शून्य उत्सर्जन' लक्ष्य की ओर भारत के ऊर्ज़ा बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शेयर बाजार पर दिखेगा अमेरिकी आयात शुल्क में कमी का असर

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद अमेरिका में ट्रंप प्रशासन द्वारा आयात शुल्क में कमी के कारण अगले सप्ताह भी तेजी जारी रहने की उम्मीद है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में पिछले साल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाये गये ऊंचे आयात शुल्कों प्रशासनिक आदेशों को रद्द कर दिया। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 20 फरवरी को 150 दिन के लिए सभी देशों पर एक समान 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके लिए जारी आदेश में कहा गया है कि यह दर 24 फरवरी से लागू होगी। श्री ट्रंप ने 21 फरवरी को सोशल मीडिया पर बताया कि 10 प्रतिशत को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है, हालांकि

इसके लिए अबतक कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है। यह देखते हुए कि भारत के साथ हुए अंतरिम व्यापार समझौते में अमेरिका ने 18 प्रतिशत की दर से आयात शुल्क लगाने का प्रावधान किया है, दरों में और कमी से निवेशक बाजार में लिवाल रह सकते हैं। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 187.95 अंक (0.23 फीसदी) की साप्ताहिक बढ़त के साथ 25,571.25 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 100.15 अंक यानी 0.39 फीसदी चढ़कर 25,571.25 अंक पहुंच गया। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में गिरावट रही। सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.28 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.18 प्रतिशत फिसल गया। ऑटो, आईटी और मीडिया समूहों में साप्ताहिक गिरावट रही जबकि बैंकिंग, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य, धातु और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे। खासकर सार्वजनिक बैंकों में जबरदस्त तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में सप्ताह के दौरान एलएंडटी का शेयर सबसे अधिक 4.97 प्रतिशत चढ़ा।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मथुरा में फ्लावर शो का सांसद हेमा मालिनी ने किया उद्घाटन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में मथुरा रिफाइनरी अपनी हरित व स्वच्छ छवि के लिए एक विशेष पहचान रखती है। इस पहचान को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील भी रहती है। इसी क्रम में मथुरा बीती रात शनिवार को रिफाइनरी नगर स्थित नगर चौपाल में 40वां वार्षिक फ्लावर शो का आयोजन किया गया। फ्लावर शो का उद्घाटन मथुरा की सांसद एवं अभिनेत्री हेमा मालिनी ने किया।

मुख्य अतिथि सांसद हेमा मालिनी ने मथुरा रिफाइनरी के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी तकनीक, पर्यावरण और समाज के बीच सही सामंजस्य के साथ कार्य कर रही है और मथुरा क्षेत्र की शान है। उन्होंने फ्लॉवर शो का आनंद लिया और सभी को प्रकृति प्रेम के लिए प्रोत्साहित किया। उद्घाटन

के दौरान मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख मुकुल अग्रवाल और रिफाइनरी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ भारी संख्या में टाउनशिप निवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम में एसएसपी श्लोक कुमार ने भी शिरकत की और रिफाइनरी के प्रयासों की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि मथुरा रिफाइनरी में सन 1986 से लगातार फ्लावर शो का आयोजन किया जा रहा है और इसके 40वें संस्करण के दौरान फ्लावरिंग प्लांट्स, डेकोरेटिव प्लांट्स और कट फ्लावर का उपयोग किया। फूलों से बनीं विभिन्न कलाकृतियां लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र रही। फ्लावर शो के दौरान टाउनशिप के सैकड़ों निवासियों ने विभिन्न कैटेगरी में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लिया और इस कार्यक्रम को सफल बनाया। दो दिवसीय आयोजन में टाउनशिप व आस पास के निवासियों ने फ्लावर शो का आनंद लिया और प्रकृति को सराहा। फ्लावर शो में बनी विभिन्न आकृतियों के सामने सेल्फी खींच कर लोगों ने अपने लिए सुंदर व मनमोहक यादें सजाईं।

होली पर रोडवेज की प्रोत्साहन योजना 28 फरवरी से 9 मार्च तक रहेगी लागू

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में होली पर्व के मद्देनजर उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष प्रोत्साहन योजना शुरू की है। योजना 28 फरवरी से 9 मार्च तक लागू रहेगी, जिसका उद्देश्य बसों का अधिकतम संचालन सुनिश्चित करना है। होली के चलते महानगरों से बड़ी संख्या में लोग अपने घर लौट रहे हैं। बस डिपो और रेलवे स्टेशनों पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए निगम ने अतिरिक्त बसों के संचालन का निर्णय लिया है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। योजना के तहत जो चालक-परिचालक इन 10 दिनों में प्रतिदिन 300 किलोमीटर बस चलाएंगे, उन्हें 450 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से कुल 4,500 रुपये की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। 300 किलोमीटर से अधिक संचालन पर प्रति किलोमीटर 55 पैसे अतिरिक्त मिलेंगे। वहीं न्यूनतम 19 दिन ड्यूटी करने वाले कर्मियों को 500 रुपये प्रतिदिन के

अनुसार प्रोत्साहन दिया जाएगा। वर्कशॉप कर्मचारियों के लिए भी विशेष प्रावधान है। लगातार 9 दिन ड्यूटी पर 1,800 रुपये और 10 दिन कार्य करने पर 2,100 रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी। प्रोत्साहन अवधि में अति विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। जौनपुर डिपो से वर्तमान में 105 बसों का संचालन विभिन्न मार्गों पर हो रहा है। इस मामले में रविवार को बात करते हुए एआरएम ममता दुबे ने बताया कि होली के दौरान लोकल रूटों पर बसों के फ़ेरे बढ़ाए जाएंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी पात्र चालक-परिचालकों और कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी।

जौनपुर में 25 फरवरी को 'संवैधानिक अधिकार बचाओ, भाईचारा बनाओ' महारैली

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में 25 फरवरी को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी की ओर से 'संवैधानिक अधिकार बचाओ, भाईचारा बनाओ' महारैली का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम मीरगंज गांव स्थित श्री कृष्ण इंटर कॉलेज के मैदान में प्रस्तावित है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भीम आर्मी प्रमुख, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद शामिल होंगे। रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश महासचिव विनय सागर ने बताया कि रैली में जौनपुर के साथ-साथ वाराणसी, मिर्ज़ापुर और प्रयागराज मंडलों के सभी जिलों से बहुजन समाज के कार्यकर्ताओं और भीम आर्मी के पदाधिकारियों को बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया है।

बहुराष्ट्रीय मोटर कंपनी ने बीएचयू में सीएसआर के तहत रक्तदान करने वाली मोबाइल वैन को किया वित्त पोषित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। बहुराष्ट्रीय मोटर कंपनी होंडा फाउंडेशन इंडिया ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत स्वैच्छिक रक्तदान सेवाओं के लिए सुसज्जित ब्लड मोबाइल वैन की खरीद और तैनाती के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की है। इस पहल में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में कंपनी और विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया।सीएसआर द्वारा समर्थित यह ब्लड मोबाइल वैन, बीएचयू चिकित्सा विज्ञान संस्थान और

संबद्ध रक्त केंद्र के सहयोग से संचालित की जाएगी, जिसका उद्देश्य विशेषकर ग्रामीण और वंचित समुदायों में जागरूकता अभियान का विस्तार करना है। सुरक्षित और कुशल रक्त संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए, मोबाइल यूनिट अत्याधुनिक डोनर काउच, रेफ्रिजरेशन सिस्टम, स्क्रीनिंग सुविधाएं और स्टोरेज यूनिट से सुसज्जित होगी। ब्लड सेंटर, सर सुंदरलाल चिकित्सालय चिकित्सा विज्ञान संस्थान बीएचयू के प्रभारी प्रोफ़ेसर डॉ. संदीप कुमार के अनुसार इस पहल से पूरी तरह से सुसज्जित रक्त संग्रहण बस की खरीद और अनुकूलन हेतु सीएसआर निधि का उपयोग होगा। परिसरों और आसपास के समुदायों में स्वैच्छिक रक्तदान अभियानों का विस्तार के साथ सुरक्षित रक्त संग्रहण, भंडारण और परिवहन प्रणालियों को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इससे नियमित रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त जागरूकता अभियान में आसानी रहेगी। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष कॉर्पोरेट मामलों के पीयूष मित्तल और प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह के अनुसार सामुदायिक कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के तहत, हमें इस जीवनरक्षक पहल का समर्थन करने पर गर्व है। ब्लड मोबाइल वैन सुरक्षित रक्त की उपलब्धता में सुधार करेगी और स्वैच्छिक रक्तदान की संस्कृति को बढ़ावा देगी, जिससे अंततः अनगिनत जानें बचेंगी।

मुरादाबाद महानगर में 700 से अधिक बूथों पर 10,500 लोगों ने सुनीं पीएम के मन की बात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर के मंत्री व मन की बात कार्यक्रम के महानगर संयोजक सर्वेश पटेल ने बताया कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 131 वां संस्करण मुरादाबाद महानगर में नगर व देहात विधानसभा के 700 से अधिक बूथों पर 10,500 से अधिक लोगों के द्वारा सुना गया। मन की बात कार्यक्रम के पश्चात भाजपा पदाधिकारी व्यंजन प्रतिनिधियों ने नवमतदाताओं के फॉर्म 6 भरवाए। भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम के 131 वें एपिसोड में पीएम नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आने वाले त्योहारों को लेकर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और वोकल फॉर लोकल का मंत्र याद रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि होली समेत कई त्योहारों में विदेशी सामान की भरमार हो गई है। ऐसे उत्पादों को त्योहारों से दूर रखकर स्वदेशी अपनाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि जब लोग स्वदेशी खरीदते हैं, तो वे देश को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान को भी मजबूत करते हैं। भाजपा प्रांतीय परिषद के सदस्य निमित जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने आज मन की बात कार्यक्रम में कहा कि इन दिनों रमजान का पवित्र महीना चल रहा है और जल्द ही होली का त्योहार भी आने वाला है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि परिवार और अपनों के साथ मिलकर प्रेम, सद्भाव और खुशी के साथ त्योहार मनाएं।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालयः 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालयः 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

श्री रामकथा में लंका कांड का भावपूर्ण वर्णन सुन श्रोता हुए भावविभोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल तहसील क्षेत्र स्थित जैनपुर नहर पटरी पर बने शिवधाम ऋषि आश्रम में आयोजित श्री रामकथा के सातवें दिन रविवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा व्यास पंडित राज नारायण शास्त्री (राजा पंडित) रामायनी ने लंका कांड का मार्मिक और ओजस्वी वर्णन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा के दौरान उन्होंने लक्ष्मण शक्ति प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि जब मेघनाद के शक्ति बाण से लक्ष्मण मूर्छित हो गए, तब भगवान राम का करुण भाव और हनुमान जी का समर्पण मानव जीवन में भाईचारे, त्याग और निष्ठा की मिसाल प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि यह प्रसंग हमें सिखाता है कि विपत्ति के समय धैर्य और विश्वास ही सबसे बड़ा संबल होता है। इसके पश्चात सती सुलोचना प्रसंग का वर्णन करते हुए कथा व्यास ने पतिव्रता धर्म की महिमा बताई। उन्होंने कहा कि सुलोचना का चरित्र नारी के त्याग, श्रद्धा और अटूट विश्वास का प्रतीक है। कुंभकरण वध की कथा सुनाते हुए उन्होंने बताया कि अधर्म और अन्याय का अंत निश्चित है, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो। भगवान राम का आदर्श जीवन हमें सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी (सपा) के जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना होती है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज को एकता और सद्भाव का संदेश देते हैं। वरिष्ठ नेता बाबा रामनरेश ने भी कथा की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए सौभाग्यपूर्ण बताया। कार्यक्रम में सपा नेता अहवरन सिंह निषाद, योगेश विरासिया, पूर्व प्रधान बलभद्र सिंह यादव, पूर्व प्रधान राम सिंह निषाद, सुंदर गुर्जर, गजराज कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कथा के व्यवस्थापक बाबा प्रेम गिरि महाराज ने सभी अतिथियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। संपूर्ण वातावरण भक्ति गीतों और जयकारों से गूंजता रहा। अंत में आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। ग्रामीणों में कथा को लेकर विशेष उत्साह देखा गया और आगामी दिवस की कथा के लिए भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सौ से अधिक बूथों का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। जिले में विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत रविवार को जनपद के सभी 1624 मतदेय स्थलों पर विशेष अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने रविवार को स्वयं अभियान की प्रगति का जायजा लेने के लिए जिले के लगभग 100 से अधिक बूथों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ की उपस्थिति, मतदाता सूची के प्रदर्शन, प्राप्त प्रपत्रों की प्रविष्टि तथा व्यवस्थाओं की स्थिति का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन अथवा विलोपन से संबंधित प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं विधिसम्मत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि

अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करना है। उन्होंने जनसामान्य से अपील की कि वे अपने-अपने बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें। यदि किसी मतदाता का नाम सूची में अंकित नहीं है तो वह प्रपत्र-6 के माध्यम से नया नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकता है। नाम विलोपन या आपत्ति के लिए प्रपत्र-7 तथा प्रविष्टियों में संशोधन वस्थानांतरण के लिए प्रपत्र-8 का उपयोग किया जा सकता है। ये सभी प्रपत्र ऑनलाइन पोर्टल voters.eci.gov.in एवं संबंधित बीएलओ के माध्यम से ऑफलाइन भी उपलब्ध हैं। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि जो नागरिक 01 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं। या फिर वर्ष 2026 की आगामी अर्हता तिथियों 01 अप्रैल, 01 जुलाई या 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष पूर्ण करने वाले हैं, वे अग्रिम दावा प्रस्तुत कर लोकतंत्र की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया से जुड़ें। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार आदि अधिकारी मौजूद रहे।

वाराणसी में नौका दुर्घटना के बाद गंगा तट पर यात्रियों को स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति किया सचेत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पिछले दिनों गंगा नदी में दो नावों की टक्कर के बाद सुरक्षित नौकायन को लेकर रविवार को जल पुलिस ने नमामि गंगे के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाया। जल पुलिस ने पेट्रोलिंग वोट से यात्रियों को स्वच्छता और जागरूक सुरक्षा के प्रति सजग किया । जागरूकता के दौरान गंगा सेवक राजेश शुक्ला ने नाविकों एवं श्रद्धालुओं को सुरक्षा व स्वच्छता के नियमों का पालन करने का संदेश दिया। नाविकों को सजग किया कि नाव पर सवार पर्यटकों को लाइफ जैकेट अवश्य पहनाएं, क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं , नाव की स्पीड को नियंत्रित रखें बहुत तेज न चलाएं ,ताकि कोई अप्रिय घटना न हो । घाटों पर उपस्थित नागरिकों को तीर्थ स्थल की स्वच्छता और आध्यात्मिक मर्यादा बनाए रखने की अपील की गई। यात्रियों को स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया।

तीर्थ यात्रियों से निवेदन किया गया कि स्वच्छता के सहयोगी बने। लाइफ जैकेट पहनें और नावों की क्षमता से अधिक सवारी न करें। तीर्थ स्थल की आध्यात्मिक मर्यादा को बनाएं रखें। अभियान में जल पुलिस के कर्मचारी शेखर कुमार ने बढ़चढ़ भागीदारी की।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल से हटकर प्रायोगिक व्यवस्था पर उठे सवाल

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रायोगिक परीक्षाओं की अंक अपलोडिंग व्यवस्था को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। शासनादेश के तहत विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्य 'समर्थ पोर्टल' के माध्यम से संचालित किए जा रहे हैं। चालू सत्र में परीक्षा फॉर्म भरने सहित कई महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं इसी पोर्टल के जरिए संपन्न कराई गईं।वही इस मामले में रविवार को जानकारी लेने पर कुलसचिव केश लाल ने कहाविश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि प्रथम सेमेस्टर के सेशनल एवं वोकेशनल अंकों की अपलोडिंग समर्थ पोर्टल से ही की जाएगी, जबकि अन्य सेमेस्टरों के अंक पूर्व निर्धारित (पुरानी) पद्धति से जमा होंगे। प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य कक्षाओं में प्रायोगिक परीक्षकों की नियुक्ति कर उन्हें महाविद्यालयों में भेजा जा रहा है, जहां वे पारंपरिक व्यवस्था के तहत प्रयोगात्मक व सेशनल अंक अपलोड करेंगे। इसके बाद ही परीक्षा परिणाम जारी किए जाएंगे। प्रक्रिया में इस बदलाव से छात्र-छात्राओं में असमंजस और नाराजगी का माहौल है। उनका कहना है कि जब अधिकांश शैक्षणिक कार्य डिजिटल माध्यम से हो रहे हैं, तो सभी सेमेस्टरों की अंक अपलोडिंग भी एक समान पोर्टल के जरिए होनी चाहिए। छात्रों का आरोप है कि कुछ महाविद्यालयों में बाहरी परीक्षकों की नियुक्ति के नाम पर अतिरिक्त धन की मांग की जा रही है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।छात्रों ने शासन और विश्वविद्यालय प्रशासन से मांग की है कि प्रायोगिक परीक्षाओं की अंक अपलोडिंग के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और एकरूप डिजिटल व्यवस्था लागू की जाए, ताकि भ्रम और अनावश्यक आर्थिक दबाव की स्थिति समाप्त हो सके।

एनयूजे प्रयागराज ने प्रशासनिक अधिकारियों को भेंट किया वार्षिक कैलेंडर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट इंडिया (एनयूजे) प्रयागराज जिला इकाई के पदाधिकारियों ने आज विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट कर संगठन का वार्षिक कैलेंडर भेंट किया। प्रतिनिधिमंडल ने जिला अधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा से मुलाकात कर संगठन की गतिविधियों से अवगत कराया। इसके पश्चात एसडीएम सदर अभिषेक सिंह, अपर जिला अधिकारी प्रशासन पूजा मिश्रा, अपर जिला अधिकारी नगर सत्यम मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी संजय कुमार पाण्डेय तथा सहायक सूचना अधिकारी गगन यादव से भी मुलाकात की गई।

इस अवसर पर अधिकारियों ने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए सकारात्मक पत्रकारिता की आवश्यकता पर बल दिया। एनयूजे प्रतिनिधिमंडल ने पत्रकारों की समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में संगठन के जिला अध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव महामंत्री अखिलेश शुक्ला उपाध्यक्ष मधुर दरबारी उपाध्यक्ष सुशांत त्रिपाठी उपाध्यक्ष धमेद्रं श्रीवास्तव मनोज कुमार कोषाध्यक्ष अश्वनी श्रीवास्तव सदस्य सलाहकार समीति देवेद्रं शुक्ला मंत्री अमित श्रीवास्तव मंत्री आनन्द कुमार निषाद फोटो जर्नलिस्ट सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने प्रशासन और पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया।